वर्ष : 33 » अंक : 227 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, शनिवार, 2 नवंबर 2024 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper |dobajedopahar |com » संपादक : अरुण लाल

DBD
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

दो बजे दोपहर

महाराष्ट्र का रण

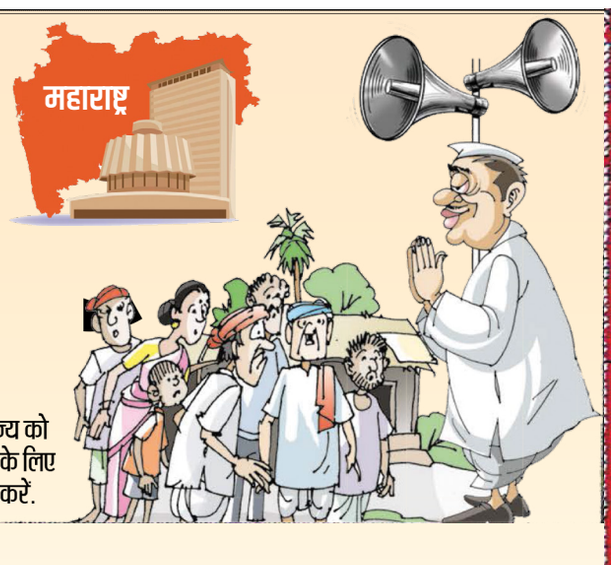

मतदाताओं से अपील

विधानसभा चुनाव आपके लिए एक अवसर है राज्य को गढ़ने का-संवारने का. आपसे अपील है कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए खुद मतदान जरूर करें और सगे-संबंधियों को भी प्रेरित करें.

आज मनाया जाएगा गोवर्धन का त्योहार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

गोवर्धन पूजा कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को मनाई जाती है। गोवर्धन पूजा दिवाली के अगले दिन होती है। इस साल 2 नवंबर, 2024 को गोवर्धन पूजा है। गोवर्धन पूजा को देश के कुछ हिस्सों में अन्नकूट के नाम से भी जाना जाता है। इस पावन दिन भगवान श्री कृष्ण, गोवर्धन पर्वत और गायों की पूजा-अर्चना की जाती है। गोवर्धन पूजा के दिन भगवान श्री कृष्ण को 56 या 108 तरह के पकवानों का भोग भी लगाया जाता है।

गोवर्धन पूजा

प्रातःकाल मुहूर्त

सुबह : 06:34 से 08:46 बजे
अवधि : 02 घंटे 12 मिनट्स

सायंकाल मुहूर्त

दोपहर : 03:23 से 05:35 बजे
अवधि : 02 घंटे 12 मिनट्स

गोवर्धन पूजा की विधि

सबसे पहले घर के आंगन में गोबर से गोवर्धन का चित्र बनाएं। इसके बाद रोली, चावल, खीर, बताशे, जल, दूध, पान, केसर, फूल और दीपक जलाकर गोवर्धन भगवान की पूजा करें। कहा जाता है कि इस दिन विधि विधान से सच्चे दिल से गोवर्धन भगवान की पूजा करने से सालभर भगवान श्री कृष्ण की कृपा बनी रहती है। भगवान श्री कृष्ण का अधिक से अधिक ध्यान करें। इस दिन भगवान को 56 या 108 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाने की परंपरा भी है। भगवान श्री कृष्ण की आरती करें।

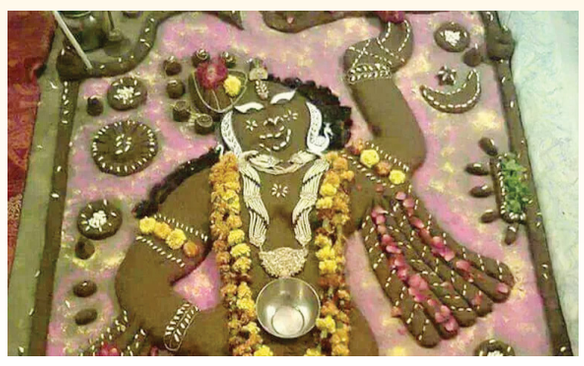

न्यूज ब्रीफ

वाणिज्यिक सिलेंडर के दाम 62 रुपए बढ़े

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियों ने होटल तथा रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी (19 किलोग्राम) सिलेंडर की कीमत 62 रुपए प्रति सिलेंडर बढ़ा दी है। दिल्ली-एनसीआर में अब इसकी कीमत 1,802 रुपए हो गई है। हालांकि, घरेलू एलपीसी सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह 803 रुपए पर ही उपलब्ध होगा। यह वाणिज्यिक एलपीजी की कीमतों में लगातार चौथी मासिक वृद्धि है। एक अक्टूबर को 48.15 रुपए की बढ़ोतरी से इसकी कीमत 1,740 रुपए हो गई थी। इससे पहले कीमत में एक अगस्त को 6.15 रुपए प्रति सिलेंडर और एक सितंबर को 39 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई थी। चार बार की बढ़ोतरी के बाद चार महीने में कीमतों में कटौती की गई है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों के रुझान के अनुरूप विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत में शुक्रवार को 3.13 प्रतिशत की वृद्धि की गई।

मशहूर फैशन डिजाइनर रोहित बल का 63 साल की उम्र में निधन

मुंबई। मशहूर फैशन डिजाइनर रोहित बल का शुक्रवार को बीमारी के चलते निधन हो गया। वह 63 साल के थे। रोहित पिछले साल से ही दिल की बीमारी से पीड़ित थे। उन्हें नवंबर, 2023 में गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में एडमिट कराया गया था। 2024 की शुरुआत में उन्होंने रैंप पर कमबैक किया। पिछले महीने अक्टूबी में दिल्ली में लैक्मे इंडिया फैशन वीक उनका आखिरी शो था।

6 नवंबर से शुरू होगा राहुल गांधी का मिशन महाराष्ट्र

मुंबई। महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सभी पार्टियों ने कमर कस ली है। भाजपा के स्टार प्रचारक महाराष्ट्र में होने वाले चुनाव में धुआंधार प्रचार करेंगे। वहीं कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी यानी एमवीए के नेता भी कई जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इसी बीच लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी छह नवंबर को महाराष्ट्र का दौरा करेंगे। वे नागपुर में 'संविधान सम्मान सम्मेलन' में हिस्सा लेंगे। छह नवंबर को राहुल गांधी मुंबई में महाविकास अघाड़ी गठबंधन की एक संयुक्त जनसभा को संबोधित करेंगे। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि मुंबई में होने वाले कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के अध्यक्ष शरद पवार और शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे भी मौजूद रहेंगे।

पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों के घर के बाहर फायरिंग, कनाडा पुलिस ने एक शख्स को किया गिरफ्तार

कनाडा। कनाडा में पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों के घर के बाहर फायरिंग मामले में कनाडा पुलिसने एक शख्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस की तरफ से दावा किया गया है कि गिरफ्तार शख्स भारतीय है। पुलिस की तरफ से कहा गया है कि गिरफ्तार शख्स अभिजीत किंगरा है जिसे ओंटारियो से गिरफ्तार किया गया है। कनाडा पुलिस की तरफ से कहा गया है कि उसे एक अन्य शख्स की तलाश है जिसका नाम विक्रम शर्मा है जो फिलहाल इंडिया में है। कनाडा पुलिस के पास विक्रम शर्मा की तस्वीर नहीं है। 2 सितंबर 2024 को Colwood इलाके में फायरिंग हुई थी। फायरिंग की जिम्मेदारी लॉरेंस,गोल्डी और रोहित गोदारा गैंग ने ली थी। घटना की जिम्मेदारी सोशल मीडिया पर पोस्ट के माध्यम से ली गयी थी। उसी समय कनाडा में एक ज्वैलर के घर भी फायरिंग हुई थी, उसकी जिम्मेदारी भी इसी गैंग ने ली थी। उस मामले की जांच भी कनाडा पुलिस कर रही है। एपी ढल्लिों के घर के बाहर फायरिंग का एक कथति वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

'माल'दारों का चुनाव

मालामाल हो रहे नेता

- महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा बढ़ी मंत्री अदिति तटकरे की संपत्ति
- एकनाथ शिंदे, फडणवीस और पवार की संपत्ति भी बढ़ी
- मंत्री विजयकुमार गावित पांच साल में हुए 'अपराध मुक्त'

अमित बृज | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया खत्म होने के बाद महायुति की अगुवाई वाली एकनाथ शिंदे के साथ दोनों डिप्टी सीएम और मंत्रियों की संपत्ति का ब्योरा सामने आया है। एकनाथ शिंदे सरकार में 27 मंत्री हैं। ज्यादातर मंत्रियों की संपत्ति में बीते पांच सालों की तुलना में मामूली वृद्धि हुई है हालांकि कुछ ऐसे मंत्री भी हैं। जिनकी संपत्ति काफी ज्यादा बढ़ी है। इस मामले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के महाराष्ट्र अध्यक्ष सुनील तटकरे की बेटी और महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे अव्वल हैं। तटकरे की संपत्ति में 772 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पांच साल पहले 2019 में 39 लाख रुपए से बढ़कर 3.14 करोड़ रुपए हो गई है। लोक निर्माण मंत्री रवींद्र चव्हाण की कुल संपत्ति 7 करोड़ रुपए से 117 प्रतिशत बढ़कर 15.15 करोड़ रुपए हो गई है। मृदा एवं जल संरक्षण मंत्री संजय राठौड़ की संपत्ति में 220 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो 5.19 करोड़ रुपए से बढ़कर लगभग 15.19 करोड़ रुपए हो गई।

तीन मंत्री ईडी के रडार पर

महाराष्ट्र के खेल, युवा कल्याण और बंदरगाह विकास मंत्री संजय बंसोड़े की शुद्ध संपत्ति 2 करोड़ रुपए से 144 प्रतिशत बढ़कर 5 करोड़ रुपए हो गई है। सीएम एकनाथ शिंदे की शुद्ध संपत्ति में 187 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। पांच साल पहले सीएम शिंदे ने कुल संपत्ति 7.81 करोड़ रुपए बताई थी। अब यह बढ़कर 22.14 करोड़ रुपए हो गई। महायुति सरकार में उपमुख्यमंत्री अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस की कुल संपत्ति में क्रमशः 44 प्रतिशत और 56 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। चुनाव हलफनामों में सामने आया है कि राज्य के तीन मंत्री मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच का सामना कर रहे हैं। इनमें अजित पवार और उनके एनसीपी सहयोगी हसन मुश्रीफ महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक (एमएससीबी) मामले में, जबकि एनसीपी मंत्री छगन भुजबल आरटीओ भूमि और महाराष्ट्र सदन से संबंधित कथित घोटाले से जुड़े एक मामले में 2016 में गिरफ्तार होने के बाद जमानत पर बाहर हैं। मुश्रीफ को ईडी के छापे और पूछताछ का सामना करना पड़ा था, जबकि अजित पवार से इस मामले में कभी पूछताछ नहीं की गई थी।

आयकर विभाग जांच करे

अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के इन नेताओं ने विधानसभा चुनावों के लिए दायर अपने हलफनामों में इन मामलों का संक्षेप में उल्लेख किया है। भुजबल की शुद्ध संपत्ति में 17 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि मुश्रीफ की संपत्ति में 34 फीसदी की वृद्धि हुई। एनसीपी के तीनों नेता पिछले साल जुलाई में राज्य में शिवसेना-बीजेपी गठबंधन सरकार में शामिल हुए थे। आरटीआई कार्यकर्ता और विशेषज्ञ शैलेश गांधी कहते हैं कि आयकर विभाग और कराधान के अन्य उच्च अधिकारियों को सभी चुनावी हलफनामों की जांच करनी चाहिए ताकि पता चल सके कि ये खुलासे मंत्रियों द्वारा पिछले पांच वर्षों में दाखिल किए गए आयकर रिटर्न के अनुरूप हैं या नहीं। जब तक आय के स्रोत के बारे में सत्यापन और समझ नहीं होगी, तब तक यह अभ्यास केवल दिखावा ही रहेगा। यह जानने का उद्देश्य ही विफल हो जाता है कि यह वृद्धि वास्तविक है या नहीं। यह जानना हमारा अधिकार है कि ये नेता देश के खजाने और संपत्तियों के प्रति कितने ईमानदार हैं।

एक मंत्री की संपत्ति घटी

शिंदे सरकार में मंत्री विजयकुमार गावित ने पांच साल पहले खुद के खिलाफ नौ मामले होने का ब्योरा दिया था। इस बार के शपथ पत्र में उनके खिलाफ कोई भी केस नहीं होने का उल्लेख किया है। ऐसे में उनके नौ केस खत्म हो गए हैं। उनकी कुल संपत्ति में 12 फीसदी की वृद्धि हुई। एकमात्र मंत्री जिनकी शुद्ध संपत्ति में गिरावट आई है। मालाबार हिल विधायक मंगल प्रभात लोढ़ा की संपत्ति में 11 प्रतिशत की कमी आई है, जिसका मुख्य कारण बढ़ती देनदारियां हैं। वे पेशे से बिल्डर-राजनेता हैं। धनंजय मुंडे की संपत्ति में बढ़ोतरी हुई है। उनके शपथ पत्र के अनुसार उन्होंने दिसंबर 2023 में मालाबार हिल में 10 करोड़ रुपए मूल्य का 2,151 वर्ग फुट का फ्लैट और 2022 में पुणे में 1.11 करोड़ रुपए मूल्य का 930 वर्ग फुट का फ्लैट खरीदा। इसके बाद परिवार की संपत्ति में 81 प्रतिशत का इजाफा हुआ।

महिला हूं, माल नहीं : शाइना एनसी

- शिवसेना (UBT) सांसद ने शाइना एनसी को 'माल' कहा
- शाइना ने नागपाड़ा पुलिस स्टेशन में अरविंद सावंत के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई
- CM एकनाथ शिंदे भड़के,कहा - बालासाहेब मुंह तोड़ देते।।।

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बीच उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना के सांसद अरविंद सावंत के बयान पर महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। बीजेपी छोड़कर शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना से लड़ रही शाइना एन सी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के आरोपों में घिर सावंत की मुश्किलें बढ़ती दिख रही है। इस मुद्दे पर अब सीएम एकनाथ शिंदे ने खुद पलटवार किया है। शिंदे ने कहा कि बालासाहेब ठाकरे उस सांसद (अरविंद सावंत) का मुंह तोड़ देते, जिसने शाइना एनसी के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया। तो वहीं दूसरी तरफ इस मुद्दे पर शाइना एन सी ने पुलिस में शिकायत दी है। इसके साथ राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी संज्ञान लेकर चुनाव आयोग को कार्रवाई के लिए कहा है।

सीएम शिंदे ने क्या कहा?

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि जिस तरह की टिप्पणी उद्धव ठाकरे के सांसद ने शाइन एन सी के खिलाफ की है, अगर बालासाहेब होते तो वह मुंह तोड़ देते।

भाजपा बोली- सावंत का बयान पीड़ादायक

सावंत के विवादित बयान पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, 'सावंत के बयान को देख-सुनकर मैं दुखी हूं। किसी राजनीतिक महिला के लिए इस तरह की टिप्पणी बहुत पीड़ादायक है। यह निंदनीय है। हम इसकी भर्त्सना करते हैं।'

हमें 'आधी आबादी' के सम्मान और प्रतिष्ठा को सुनिश्चित करना ही होगा: रहाटकर

महिला आयोग की प्रमुख विजया रहाटकर ने एक्स पर लिखा है कि मेरा सभी दलों के नेताओं से आग्रह है कि हम सभी को महिलाओं की अस्मिता व गरिमा का विशेष ध्यान रखना चाहिए। नारी शक्ति की सुरक्षा, सम्मान और सक्षमीकरण ही देश को विकसित राष्ट्र बनने की राह पर आगे बढ़ाएंगे। हमें 'आधी आबादी' के सम्मान और प्रतिष्ठा को सुनिश्चित करना ही होगा।

जम्मू-कश्मीर में फिर से टारगेट किलिंग

तंकियों ने बनाया उत्तर प्रदेश के मजदूरों को निशाना

2 हफ्तों में टारगेट अटैक की चौथी वारदात

एजेंसी | श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमलों की सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बडगाम में उत्तर प्रदेश के दो प्रवासी मजदूरों पर हुए हमले के बाद राज्य में सुरक्षा एजेंसियों की चिंता और बढ़ गई है। पुलिस के अनुसार, बडगाम जिले में प्रवासी मजदूरों पर आज आतंकियों ने फायरिंग की। गंभीर रूप से घायल मजदूरों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि उनकी हालत अब स्थिर है। पिछले दो हफ्तों में घाटी में प्रवासी मजदूरों पर यह चौथा हमला है, जिससे इलाके में आतंक का माहौल बना हुआ है।

24 अक्टूबर : यूपी के एक मजदूर को गोली मारकर किया घायल

वहीं पुलवामा जिले के त्राल क्षेत्र में 24 अक्टूबर को गैर-कश्मीरी को निशाना बनाते हुए आतंकियों ने उत्तर प्रदेश के एक मजदूर को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। उस वक्त यूपी के बिजनौर के रहने वाले मजदूर के हाथ में आतंकियों ने गोली मारी थी।

20 अक्टूबर : सात लोगों की हत्या

इससे पहले 20 अक्टूबर को घाटी में सबसे घातक हमला हुआ था, जब गांदरबल जिले के एक टनल निर्माण स्थल पर आतंकियों ने सात लोगों की हत्या कर दी थी। इन मृतकों में एक स्थानीय डॉक्टर और बिहार के दो मजदूर शामिल थे। पुलिस जांच के अनुसार, इस हमले में शामिल दो आतंकियों में से एक की पहचान दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के निवासी के रूप में हुई है, जो 2023 में एक आतंकी संगठन से जुड़ा था। दूसरा आतंकी पाकिस्तान से आया माना जा रहा है।

अचानक बढ़ी देवेंद्र फडणवीस की सुरक्षा

सुरक्षा एजेंसी का अलर्ट, हथियारों के साथ हुए तैनात और जवान

धीरज सिंह | मुंबई/नागपुर

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सुरक्षा अचानक से बढ़ा दी गई है। जब देवेंद्र फडणवीस नागपुर के एयरपोर्ट पहुंचे तो अलग से पुलिस के जवान तैनात हो गए। नागपुर पुलिस की स्फोर्स वनर टीम के जवान हथियारों के साथ तैनात किये गए है। ये जवान हथियारों के साथ अलर्ट मोड़ में तैनात किये गए हैं।

देवेंद्र फडणवीस के घर पर भी बढ़ाई गई सिक्योरिटी

इतना ही नहीं देवेंद्र फडणवीस के घर में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है, उनके घर के मुख्य द्वार पर भी स्फोर्स वनर टीम के जवानों को हथियारों के साथ तैनात किया गया है। आपको बता दें, मौजूदा समय पर देवेंद्र फडणवीस को Z प्लस सुरक्षा दी गई है, लेकिन इंटेलिजेंस ब्यूरो सहित अलग-अलग सुरक्षा एजेंसी से मिले इनपुट के बाद ये सुरक्षा बढ़ाई गयी है। हालांकि माना ये जा रहा है कि जिस तरह से लगातार लॉरेंस बिश्नोई गैंग धमकी और अपना नाम बढ़ाने के लिए महाराष्ट्र में लगातार गतिविधि कर रहा है। ऐसे में महाराष्ट्र के गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस को सुरक्षित रखने के लिए ये सुरक्षा बढ़ाई गई है।

चाकू घोंपकर 20 साल के लड़के की हत्या

पटाखे फोड़ने को लेकर हुआ था विवाद

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई के सेंट्रल इलाके में पटाखे फोड़ने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें 20 साल के लड़की की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचना विवेक गुप्ता के तौर पर हुई। यह घटना शुक्रवार तड़के एंटॉप हिल इलाके के जय महाराष्ट्र नगर, कोकरी अगर में हुई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने बताया कि पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें एक महिला भी शामिल है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

युवक की चाकू घोंपकर हत्या

घटना उस समय शुरू हुई जब गुरुवार आधी रात के बाद कुछ स्थानीय निवासी एक संकरी गली में पटाखे फोड़ रहे थे। उसी दौरान दोपहिया वाहन पर जा रहे आरोपी कार्तिक आर मोहन देवेंद्र ने उनसे वहां से हटकर किसी अन्य स्थान पर पटाखे फोड़ने को कहा। शिकायत के अनुसार, यह कहने पर कार्तिक की वहां मौजूद लोगों से बहस हो गई और बात मारपीट तक पहुंच गई। इसके बाद कार्तिक वहां से चला गया। कुछ समय बाद, कार्तिक अपनी पत्नी, भाई और कुछ अन्य लोगों के साथ वापस लौटा। उनके पास लकड़ी की लाठियां और क्रिकेट बैट थे। इसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी बढ़ गई। हंगामे के बीच, पटाखे फोड़ने वालों में से किसी ने चाकू निकाल लिया, लेकिन हाथापाई में वह चाकू नीचे गिर गया। कार्तिक के साथ आए राज पुट्टी ने वह चाकू उठाकर विवेक गुप्ता पर वार कर दिया।

महिला समेत पांच आरोपी अरेस्ट

स्थानीय लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची और गुप्ता को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने कार्तिक आर मोहन देवेंद्र, कार्तिक कुमार देवेंद्र, विक्की मुत्तू देवेंद्र, मिनियप्पन रवि देवेंद्र और कार्तिक की पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी विश्लेषण की मदद से अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

स्टंट के चक्कर में चली गई जान!

तेज रफ्तार साइकिल गेट से टकराई, नाबालिग की मौत

डीबीडी संवाददाता | मीरा रोड

एक लापरवाही ने नाबालिग की जान ले ली। स्टंट करने के चक्कर में 3 सेकेंड के अंदर ही नाबालिग लड़के की मौत हो गई। लड़के की मौत की पूरी घटना गली में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है।

सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटना

सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि एक दो लड़के गली से गुजर रहे होते हैं तभी सामने एक लड़का तेज रफ्तार साइकिल लेकर आता है, उसे देख राह चलते दो युवक साइड हट जाते हैं और अगले ही पल साइकिल सवार लड़का दीवार से जा टकराता है और मौके पर ही उसकी मौत हो जाती है। राहगीर कुछ समझ पाते तब तक तो लड़का दीवार में टकरा चुका था। साइकिल की रफ्तार इतनी ज्यादा की थी कि लड़के का सर दीवार से लगा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। यह पूरा हादसा घटनास्थल के पास लगे एक CCTV फुटेज में कैद हो गया।

खड़ी ढलान से उतरते समय खोया नियंत्रण, मौत

मिली जानकारी के मुताबिक, मीरा रोड के पास रहने वाला नीरज साइकिल से किले तक गया। खड़ी ढलान से उतरते समय वह अपनी साइकिल से नियंत्रण खो बैठा और एक घर के गेट के पास वाली दीवार से टकरा गया। दीवार से टकराते ही वह जमीन पर गिरा और खून बहने लगा, जिससे घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। जब आसपास खड़े लोगों ने उसे देखने की कोशिश की तो उसने कोई जवाब नहीं दिया, तो वे उसे बाबा साहेब अंबेडकर सरकारी अस्पताल ले गए, जहां पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया।

राशन ऑफिस और स्क्रैप गोडाउन में लगी भीषण आग

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य मुंबई के सायन इलाके में भी शुक्रवार को राशन के ऑफिस में आग लग गई। एक अधिकारी ने बताया कि शानमुखानंद हॉल के पास फीनिक्स रोड पर स्थित राशन कार्यालय में शाम करीब 7 बजे आग लग गई थी। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस और बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट कर्मियों के साथ एक दमकल टीम मौके पर पहुंची। हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

अंधेरी में गोदाम में लगी आग

इससे पूर्व मुंबई के अंधेरी इलाके में स्थित भंगारवाड़ी में देर शाम भीषण आग लग गई, जानकारी के मुताबिक ये आग गोदाम में लगी है। बृहन्मुंबई नगर निगम के अधिकारी ने बताया कि रात करीब 8 बजे सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियां अंधेरी ईस्ट के भांगरवाड़ी इलाके में पहुंचीं। अधिकारी ने बताया कि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में DGP पर घमासान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की डीजीपी रश्मि शुक्ला पर राज्य की सियासत में घमासान मचा हुआ है। डीजीपी के खिलाफ कांग्रेस के बाद शिवसेना (उद्धव ठाकरे) ने भी मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले इसके पहले चुनाव आयोग को पत्र लिखकर मांग कर चुके हैं कि डीजीपी रश्मि शुक्ला को हटाया जाए। पटोले ने उनकी निष्पक्षता पर सवाल उठाए थे। साथ ही बीजेपी के आदेश पर सरकार के लिए काम करने का आरोप लगाया था। राज्य में विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में कई अधिकारियों और कर्मचारियों का तबादला किया गया है, लेकिन कांग्रेस डीजीपी, पुलिस महानिदेशक रश्मी शुक्ला के तबादले को लेकर अड़ंगा लगा रही है।

विपक्ष ने हटाने की मांग की

प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने आयोग को पत्र भेजा

कांग्रेस ने केंद्रीय चुनाव आयोग से 20 नवंबर से पहले उनका ट्रांसफर करने का अनुरोध किया है। कांग्रेस का आरोप है कि वह एक विवादास्पद अधिकारी हैं। प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने रश्मि शुक्ला के तबादले के लिए आयोग को पत्र भेजा है। उन्होंने गंभीर आरोप लगाया है कि जब तक वह इस पद पर हैं तब तक राज्य में निष्पक्ष चुनाव कराना मुश्किल होगा।

अब शिवसेना (UBT) ने भी खोला मोर्चा

वहीं, अब शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के नेता संजय राऊत ने भी रश्मि शुक्ला के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा कि रश्मि पर विपक्ष के फोन टैपिंग के आरोप है, वो बीजेपी के लिए काम कर रही हैं। विपक्ष के नेताओं को चुन-चुनकर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उनको तड़ीपार किया जा रहा है, इसलिए चुनाव आयोग इस पर एक्शन ले और डीजीपी को हटाए। अगर चुनाव आयोग निष्पक्ष है तो जैसे झारखंड के डीजीपी को हटाया गया। वैसे ही महाराष्ट्र के डीजीपी को हटाया जाए रश्मि शुक्ला हमेशा से ही विपक्षी पार्टी और उसके नेता के निशाने पर रही हैं। पटोले का आरोप है कि उनसे पूछताछ की गई। उन्होंने कहा कि वह विरोधियों के फोन टैपिंग मामले में सक्रिय रूप से शामिल थे। उन्होंने वकालत की कि ऐसे विवादास्पद अधिकारी को उच्च पद से हटा देना चाहिए। कांग्रेस ने सत्ताधारियों की मदद करने का गंभीर आरोप लगाया है। चुनाव आयोग अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

विपक्ष की मांग पर बीजेपी का पलटवार

वहीं, बीजेपी नितेश राणे संजय राऊत के बयान पर पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि हिम्मत है तो मर्द बनकर चुनाव लड़ो। चोर की दाढ़ी में तिनका होता है, वैसा ही कुछ है, नहीं डर किस बात का है। उन्हें ऐसे आरोप करने से कुछ होगा नहीं। उन्होंने कहा किरश्मि शुक्ला को सचिन वाजे समझ रखा है। क्या संजय राऊत ने इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगा रहे है, क्योंकि उनके पैर के नीचे की जमीन खिसक गई है

पर्यवेक्षक अशोक गहलोत को महाराष्ट्र में जीत का पक्का भरोसा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के मौजूदा वरिष्ठ पर्यवेक्षक अशोक गहलोत को महा विकास अघाड़ी वाले गठबंधन के अच्छे प्रदर्शन का भरोसा दिख रहा है। साथ ही साथ आम लोगों में सरकार विरोधी भावना दिखायी दे रही है, जिसका फायदा कांग्रेसी के गठबंधन को जरूर मिलेगा। सभी लोग मिलकर चुनाव लड़ेंगे तो जीत पक्की है।

'कांग्रेस के लिए पहले से ही अनुकूल माहौल'

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में असंतुष्ट बागी कांग्रेस नेताओं की स्थिति के बारे में गहलोत ने कहा कि कांग्रेस के लिए पहले से ही अनुकूल माहौल है। मैं हाल ही में महाराष्ट्र में था और आम लोगों में सरकार विरोधी भावना है, जिसका हमें फायदा मिलेगा। मुझे उम्मीद है कि मौजूदा माहौल के अनुसार कांग्रेस और गठबंधन चुनाव जीतेगा। बागियों को मनाने के मामले में, फॉर्म भरने के दिन से ही प्रक्रिया चल रही है। हम लगातार उनके संपर्क में हैं। फॉर्म वापस लेने की आखिरी तारीख 4 नवंबर है और मुझे उम्मीद है कि उस तारीख तक कई बागी नेता अपने फॉर्म वापस ले लेंगे।

921 उम्मीदवारों को झटका

EC ने खारिज किया नामांकन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की 288 सीटों के लिए 7994 उम्मीदवारों के नामांकन को जांच के बाद सही पाया गया है। वहीं 921 कैंडिडेट का नामांकन जांच के दौरान रद्द कर दिया गया है। राज्य में एक ही चरण में 20 नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए 22 अक्टूबर से नामांकन शुरू हुआ था और नामांकन का आखिरी दिन 29 अक्टूबर था। 30 अक्टूबर को नॉमिनेशन पत्रों की जांच हुई, जिसके बाद 7994 उम्मीदवारों के नामांकन को वैध पाया गया है।

निर्वाचन आयोग ने जारी की मतदाताओं की सूची

महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक, सूबे में मतदान करने के पात्र 9 17 करोड़ से भी ज्यादा वोटर्स में से 100 साल या उससे ज्यादा की उम्र के मतदाताओं की संख्या 47,392 है। महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, 18-19 आयुवर्ग के मतदाताओं की संख्या 22,22,704 है। वहीं, राज्य में 100 वर्ष या उससे अधिक आयु के मतदाता 47,392 हैं। प्रदेश में सबसे बुजुर्ग मतदाता की उम्र 109 वर्ष है। CEO कार्यालय द्वारा जारी की गई जानकारी के मुताबिक, राज्य में कुल 9,70,25,119 पंजीकृत मतदाता हैं, जिनमें 5,00,22,739 पुरुष, 4,69,96,279 महिलाएं और 6,101 तृतीय लिंग के मतदाता हैं।

कभी सोचा नहीं था कि चाचा के खिलाफ लड़ना पड़ेगा: युगेंद्र पवार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबईः महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में इस बार बारामती सीट पर चाचा और भतीजा आमने-सामने हैं। अजित पवार जहां अपनी पार्टी एनसीपी से चुनाव लड़ रहे हैं वहीं उनके खिलाफ शरद पवार की एनसीपी से युगेंद्र पवार ताल ठोक रहे हैं। युगेंद्र पवार अजित पवार के भतीजे हैं। उन्होंने अपने चाचा अजित पवार पर परिवार को तोड़ने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि उन्होंने पार्टी की विचारधारा से समझौता किया और बीजेपी से हाथ मिला लिया। परिवार में विचारधारा के स्तर पर दूरियां बढ़ चुकी हैं।

हमने सोचा शरद पवार साहब के साथ खड़ा रहना चाहिए

उन्होंने कहा कि ऐसा कभी सोचा नहीं था कि चाचा के खिलाफ लड़ना पड़ेगा। दादा जी (शरद पवार) का साथ देने के लिए लोकसभा चुनाव में काम किया। इलेक्टोरेल पॉलिटिक्स में हम लोकसभा चुनाव में आगे आए। एक डेढ़ साल पहले पार्टी में जो कुछ हुआ वह किसी को अच्छ नहीं लगा। इसलिए लोगों ने सोचा कि शरद पवार जी के साथ खड़ा रहना चाहिए।

परिवार के अंदर वैचारिक स्तर पर बिखराव

उन्होंने कहा कि सोशल वर्क का काम हम लंबे समय से करते रहे हैं और जब परिवार के अंदर वैचारिक स्तर पर बिखराव हो गया और पार्टी टूट गई तो हमने फैसला लिया कि हम गांधी जी, नेहरू जी, अंबेडकर जी के विचार के साथ रहेंगे और हमने शरद पवार साहब के साथ रहने का फैसला किया।

बारामती की जनता पवार साहब के साथ

बारामती विधानसभा सीट पर जीत का उन्हें पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि अभी तक इस सीट से अजित पवार बड़े अंतर से इसलिए जीतते रहे कि उनके पीछे शरद पवार साहब थे। बारामती की जनता पवार साहब के पीछे है और शरद पवार साहब हमारे पीछे हैं इसलिए मुझे ऐसा लगता है कि इस बार अजित पवार हारेंगे।

800 किलो गोमांस की तस्करी

पुलिस के शिकंजे में आरोपी

डीबीडी संवाददाता | बदलापुर

दिवाली के बीच बदलापुर से नवी मुंबई जा रही एक कार में गोमांस की तस्करी का मामला सामने आया है। बजरंग दल के सदस्यों को गुप्त सूचना मिली कि एक लाल रंग की स्विफ्ट डिजायर

कार में भारी मात्रा में गोमांस ले जाया जा रहा है। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कार का पीछा किया और संदिग्ध स्थान पर मानपाड़ा पुलिस को सूचित किया।

कार से लगभग 800 किलो गोमांस बरामद

मानपाड़ा पुलिस और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की संयुक्त कार्रवाई के बाद कार को काटई नाका के पास रोका गया। तलाशी में कार से लगभग 800 किलो गोमांस बरामद हुआ। पुलिस ने मामले में आरोपी समीर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार समीर बदलापुर से नवी मुंबई की ओर गोमांस की तस्करी कर रहा था। उसके खिलाफ मानपाडा पुलिस स्टेशन में तस्करी का मामला दर्ज कर लिया गया है।

कार से की जा रही थी सप्लाई

डोंबिवली-शीलफाटा रोड पर पकड़ी गई। इस लाल रंग की कार का नंबर एम एच 01 ए ई 0597 है। पुलिस का कहना है कि बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की सतर्कता के कारण गोमांस की तस्करी को समय पर रोका जा सका।

कांग्रेस की विधायक जयश्री जाधव ने किया शिवसेना में प्रवेश

धर्मेंद्र उपाध्याय | ठाणे

कांग्रेस विधायक जयश्री चंद्रकांत जाधव ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ में शिवसेना का दामन थाम लिया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के उपस्थिति में पार्टी में प्रवेश लिया मुख्यमंत्री शिंदे ने पार्टी की ओर से स्वागत किया और पार्टी का भगवा झंडा हाथ में दिया।जयश्री जाधव के पती चंद्रकांत जाधव कोल्हापुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक थे।पुत्र सत्यजीत जाधव ने भी शिवसेना में शामिल हुए उनको उद्योग क्षेत्र की जबाबदारी मुख्यमंत्री शिंदे ने दिया।

जयश्री जाधव को कोल्हापूर जिला महिला आघाडी प्रमुख व शिवसेना उपनेता पद पर नियुक्ति

मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि जयश्री जाधव के पार्टी में शामिल होने से कोल्हापुर में शिवसेना को वहां नई ताकत मिलेगी।शिवसेना में प्रवेश लेने के बाद ही जाधव ने कहा कि महिलाओं के लिए काम करूंगी।महायुति की सरकार ने पिछले दो साल में महिलाओं के विकास के लिए अनेक कल्याणकारी योजना लागू किया है इन योजनाओं को सामान्य महिलाओं तक पहुचाने के लिए प्रयास रहेगा।मुख्यमंत्री मेरी प्यारी बहना योजना, बचत गट का लखपती दीदी, ड्रोन दीदी योजना या महिला विकास के लिए अन्य योजना को महिलाओं तक पहुचाने के लिए विश्वास व्यक्त किया।इस अवसर पर सांसद नरेश म्हस्के,सांसद धैर्यशील माने,पूर्व सांसद संजय मंडलिक,मित्रा महामंडल के उपाध्यक्ष व कोल्हापूर उत्तर विधानसभा चुनाव के शिवसेना उम्मीदवार राजेश क्षीरसागर, शिवसेना उद्योग आघाडी के अध्यक्ष उदय सावंत सहित शिवसेना के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी तीन जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए विशेष किराये पर उधना-जयनगर, उधना-छपरा और वडोदरा-धनबाद-गोधरा के बीच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी।

उधना-छपरा अनारक्षित स्पेशल

ट्रेन संख्या 09005 उधना-छपरा स्पेशल शनिवार, 2 नवंबर, 2024 को 19.00 बजे उधना से प्रस्थान करेगी और सोमवार को 07.30 बजे छपरा पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09006 छपरा-उधना स्पेशल सोमवार, 4 नवंबर, 2024 को 10.30 बजे छपरा से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21.00 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, सायन, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, वाराणसी, औंरिहार, गाज़ीपुर सिटी और बलिया स्टेशनों पर रुकेगी।

वडोदरा - धनबाद - गोधरा स्पेशल

ट्रेन नंबर 09115 वडोदरा - धनबाद स्पेशल शनिवार, 2 नवंबर, 2024 को वडोदरा से 00.45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11.30 बजे धनबाद पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09116 धनबाद - गोधरा स्पेशल रविवार, 3 नवंबर, 2024 को 14.30 बजे धनबाद से प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 00.45 बजे गोधरा पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय, सासाराम, देहरी ऑन सोन, गया, कोडरमा, हजारीबाग रोड और पारसनाथ स्टेशनों पर रुकेगी। । ट्रेन नंबर 09115 का गोधरा स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव होगा।

उधना-जयनगर अनारक्षित स्पेशल

ट्रेन संख्या 09001 उधना-जयनगर स्पेशल शनिवार, 2 नवंबर, 2024 को उधना से 10.10 बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार को 07:00 बजे जयनगर पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09002 जयनगर-उधना स्पेशल सोमवार, 4 नवंबर, 2024 को जयनगर से 11.30 बजे प्रस्थान करेगी और बुधवार को 03.30 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, सायन, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, उज्जैन संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी स्टेशनों पर रुकेगी।

DBD
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
दो बजे दोपहर

दिवाली और छठ पूजा के लिए मध्य रेल की त्यौहार स्पेशल ट्रेनें

- यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध
- कतारबद्ध तरीके से ट्रेन में प्रवेश की व्यवस्था
- भीड़ प्रबंधन के लिए लगाए गए हैं अतिरिक्त कर्मचारी और रेल सुरक्षा बल के जवान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेल त्यौहारी सीजन के दौरान यात्रा करने वाले यात्रियों की भारी मांग को देखते हुए प्रतिदिन विभिन्न गंतव्यों के लिए दिवाली/छठ पूजा त्यौहार स्पेशल ट्रेनें चला रहा है। त्योहारों के अवसर पर भारतीय रेलवे द्वारा 7,296 विशेष गाड़ियाँ चलाई जा रही हैं, जबकि पिछले साल 4,500 विशेष गाड़ियाँ चलाई गई थीं। 31 अक्टूबर को रेलवे ने 150 से अधिक विशेष गाड़ियाँ चलाईं। 1 नवंबर 2024 को 158 विशेष गाड़ियाँ चलाई जा रही हैं। 2 नवंबर 2024 को लंबी दूरी की 164 विशेष गाड़ियों को चलाने की योजना बनाई गई हैं।

02.11.2024 और 03.11.2024 को चलने वाली त्यौहार स्पेशल ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है

02.11.2024 को चलने वाली ट्रेनें

क्र.	ट्रेन संख्या	स्टेशन से/ प्रस्थान समय	गंतव्य
1	01079	सीएसएमटी 22.30 बजे	गोरखपुर
2	01009	एलटीटी 12.15 बजे	दानापुर
3	01075	एलटीटी 00.15 बजे	दानापुर
4	01143	एलटीटी 10.30 बजे	दानापुर
5	05326	एलटीटी 10.25 बजे	गोरखपुर

03.11.2024 को चलने वाली ट्रेनें

क्र.	ट्रेन संख्या	स्टेशन से/ प्रस्थान समय	गंतव्य
1	01079	सीएसएमटी 22.30 बजे	गोरखपुर
2	07198	दादर 15.25 बजे	काजीपेट
3	01123	एलटीटी 12.15 बजे	गोरखपुर
4	01143	एलटीटी 10.30 बजे	दानापुर
5	05070	पनवेल 23.20 बजे	छपरा

'आदित्य ठाकरे वर्ली सीट से 50 हजार वोटों से जीतेंगे'

संजय राउत ने किया दावा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

शिवसेना (UBT) के नेता संजय राउत ने दावा किया है कि मुंबई की वर्ली से आदित्य ठाकरे 50 हजार वोटों से जीतेंगे। वहीं इस सीट से शिवसेना शिंदे के उम्मीदवार मिलिंद देवड़ा के बारे में संजय राउत ने कहा कि उन्हें बली का बकरा बनाया गया है।

'हमने ढाई साल में बहुत कुछ करके दिखाया'

शिवसेना यूबीटी का विजन क्या है? इस सवाल पर संजय राउत ने कहा-' हमने ढाई साल में बहुत कुछ करके दिखाया है। कोरोना काल में महाराष्ट्र को उद्धव ठाकरे की सरकार ने बचाया है। अब महाराष्ट्र में चारों तरफ भ्रष्टाचार है। महाराष्ट्र का स्वाभिमान पूरी तरह से खत्म कर दिया है।

'हम जमीन से जुड़ी राजनीति करनेवाले लोग'

महाराष्ट्र चुनाव में शिवसेना यूबीटी उम्मीदवारों के सामने शिवसेना शिंदे के उम्मीदवारों को खड़ा किए जाने पर संजय राउत ने कहा कि यह सब बीजेपी की रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने दावा किया कि वे चाहे कुछ भी कर लें लेकिन वर्ली सीट से आदित्य ठाकरे कम से कम 50 हजार वोटों से जीतेंगे। वहीं जब आदित्य ठाकरे के मुकाबले शिवसेना शिंदे द्वारा मिलिंद देवड़ा को उतारे जाने का सवाल किया गया तो संजय राउत ने कहा कि उनको बलि का बकरा बना दिया गया है। वर्ली से उनको उम्मीदवार बनाने से क्या संबंध है। वो तो हाई राइज वाला आदमी है। एकदम हाईप्रोफाइल वो कहां जमीन पर चलनेवाले लोग हैं। हमलोग जमीन पर चलने वाले लोग हैं। हमारी राजनीति जमीन से जुड़ी है।

'कोंकण हमेशा से शिवसेना का गढ़ रहा'

कोंकण क्षेत्र में शिवसेना शिंदे की बढ़त के सवाल पर संजय राउत ने कहा कि कोंकण हमेशा से शिवसेना का गढ़ रहा है। बाला साहेब ठाकरे का गढ़ रहा है। संजय राउत ने दावा किया कि इन लोगों ने (शिंदे सेना) भले ही पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह चुरा लिया है लेकिन फिर भी हमारा वोटर हमारे साथ जुड़ा रहेगा।

'रीजनल पार्टी को महत्व देना जरूरी'

उन्होंने राष्ट्रीय पार्टी और क्षेत्रिय पार्टी से जुड़े एक सवाल पर कहा-'राष्ट्रीय पार्टी के लिए पूरा देश है लेकिन हमारे लिए सिर्फ महाराष्ट्र है। रीजनल पार्टी को अगर महत्व नहीं देंगे तो राजनीति नहीं चलेगी। आज मोदी जी की जो तीसरी सरकार चल रही है वह रीजनल पार्टी के चलते चल रही है।

10.8 करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा जब्त

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

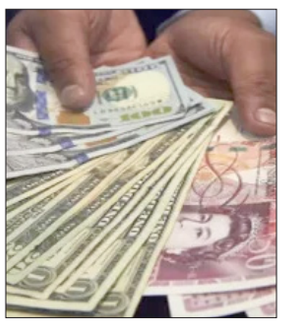

निर्वाचन आयोग की स्टेटिक सर्विलांस टीम (एसएसटी) और पुलिस ने गुरुवार को एक कार से 10.8 करोड़ रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा जब्त की। बता दें कि महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पूरे राज्य में एसएसटी तैनात कर दी गई है।

पुलिस ने दी जानकारी

इस मामले में एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दक्षिण मुंबई के मरीन ड्राइव पर संदेह के आधार पर कार को रोका गया। उन्होंने बताया कि कार के भीतर अमेरिकी डॉलर और सिंगापुरी डॉलर समेत विभिन्न देशों की मुद्रा पाई गई। उन्होंने बताया कि कार में नकदी ले जा रहे व्यक्ति ने बॉम्बे मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक के नाम से दस्तावेज दिखाए और दावा किया कि यह नकदी हवाई अड्डे से बैंक के कार्यालय ले जाई जा रही थी।

पहली बार शरद पवार और अजित पवार अलग-अलग आयोजित करेंगे दिवाली कार्यक्रम

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/पुणे

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में टूट का असर पवार परिवार के दिवाली समारोह पर भी पड़ा है और पहली बार शरद पवार तथा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार पुणे जिले में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। अजित पवार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह शनिवार शाम 6:30 बजे बारामती में अपने पैतृक गांव काटेवाड़ी में दिवाली पाडवा (पर्व) उत्सव का आयोजन करेंगे, जहां वह राकांपा पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार का दिवाली उत्सव उनके गोविंदबाग आवास के आसपास केंद्रित रहेगा, जहां परिवार के सदस्य, पार्टी पदाधिकारी और मित्र दिवाली के अवसर पर वर्षों से एकत्र होते रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री द्वारा आयोजित कार्यक्रम के बारे में जानकारी नहीं : सुले

इस मुद्दे पर, शरद पवार की बेटी और बारामती से लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले ने कहा कि उन्हें उपमुख्यमंत्री द्वारा आयोजित कार्यक्रम के बारे में जानकारी नहीं है। हालांकि, उन्होंने कहा कि गोविंदबाग में आयोजित समारोह का हर किसी को इंतजार रहता है। उन्होंने कहा, ''चूंकि राज्य भर से लोग पवार साहब को बधाई देने आते हैं, इसलिए हम इस खुशी के दिन का बेसब्री से इंतजार करते हैं।''

पवार बनाम पवार में दिलचस्प मुकाबला

विधानसभा चुनाव से ठीक पहले, दिवाली का जश्न मनाया जा रहा है, जिसमें बारामती में अजित पवार और उनके भतीजे और राकांपा (एसपी) उम्मीदवार युगेंद्र पवार के बीच एक दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलेगा। इस साल हुए लोकसभा चुनाव के दौरान बारामती में, पवार परिवार एक बार फिर दलगत आधार पर विभाजित हो गया था। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार मौजूदा सांसद सुले के खिलाफ मैदान में उतरी थीं। पिछले साल जुलाई में अजित पवार और आठ विधायकों के एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल होने के बाद राकांपा टूट गई थी। निर्वाचन आयोग ने बाद में उपमुख्यमंत्री के खेमे को असली राकांपा के रूप में मान्यता दी और इसे 'घड़ी' चिह्न आवंटित किया, जबकि शरद पवार खेमे को राकांपा (एसपी) नाम दिया गया और इसका चिह्न 'तुरही बजाता व्यक्ति' आवंटित किया गया। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 20 नवंबर को होना है, जबकि परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में निर्वाचन आयोग ने किया बड़ा बदलाव

- निर्दलीय प्रत्याशियों को मिलेंगे ये चिह्न

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटों पर चुनाव के लिए 20 नवंबर को मतदान होना है। नामांकन और छटनी प्रक्रिया के बाद अब नामांकन वापस लेने बारी है। नामांकन वापस होने के बाद बचे हुए उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न दिए जाएंगे। राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पार्टियों के उम्मीदवारों को तो पार्टी का आधिकारिक चुनाव चिह्न मिल जाता है। लेकिन निर्दलीय उम्मीदवारों को चुनाव आयोग नए-नए चुनाव चिह्न देता है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए भी निर्वाचन आयोग ने नए-नए चुनाव देने का फैसला किया है। भारतीय निर्वाचन आयोग ने इस बार चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवारों के लिए कुछ नए और अनोखे चिह्न पेश किए हैं। इनमें पंचिंग मशीन, चारपाई, चॉकलेट, जहाज, झूला, ब्रश, शार्पनर, रिंग, चप्पल, लिफाफा, चमचा, कढ़ाई, पाना, काठी जैसे 190 से अधिक चिह्न शामिल हैं। ये चिह्न न केवल नए हैं, बल्कि पहले के मुकाबले ज्यादा आकर्षक और विविध भी हैं। इससे पहले, सीटी, कूकर, पतंग, पिपाणी, गैस सिलिंडर जैसे चिह्न काफी लोकप्रिय थे।

राष्ट्रीय पार्टियों के चिह्न

भारतीय निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों के लिए चिह्न जारी किए हैं। कांग्रेस (पंजा), भाजपा (कमल), राष्ट्रवादी कांग्रेस (घड़ी), शिवसेना (धनुष्यबाण) जैसे पारंपरिक चिह्नों के अलावा तृणमूल कांग्रेस (फूल-घास), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (हथौड़ा-विला-तारा) और नेशनल पीपल्स पार्टी (पुस्तक) जैसे नए चिह्न भी शामिल हैं।

निर्दलीय उम्मीदवारों को मिलेंगे ये चिह्न

निर्दलीय उम्मीदवारों के लिए 190 से अधिक विभिन्न और नए चिह्न उपलब्ध कराए गए हैं। इससे वे अपनी पसंद का चिह्न चुन सकते हैं जो मतदाताओं पर प्रभाव डाल सकता है। पहले पारंपरिक चिह्न ही अधिक थे, लेकिन अब नए विकल्प भी मौजूद हैं। बता दें कि महाराष्ट्र में 20 नवंबर को मतदान होगा वहीं 23 नवंबर को नतीजे आएंगे।

दिवाली-छठ के मौके पर यात्रियों को पश्चिम रेलवे का तोहफा

- 2 नवंबर को यात्रियों की सुविधा हेतु 17 स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

छठ पूजा के लिए देश भर से बड़ी संख्या में लोग उत्तर प्रदेश और बिहार का रुख करते हैं। इस भीड़ को देखते हुए, भारतीय रेलवे इस त्योहार के मौसम में स्पेशल ट्रेनें चलाता है। इस वर्ष छठ और दीपावली के अवसर पर भारतीय रेलवे लगभग 7,300 स्पेशल ट्रेनें चला रहा है, जबकि पिछले वर्ष 4,500 स्पेशल ट्रेनें चलाई गई थीं। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यात्रियों की सुविधा और यात्रा की मांग को पूरा करने के लिए, इस वर्ष पश्चिम रेलवे दिवाली और छठ पूजा के दौरान लगभग 280 स्पेशल ट्रेनें चला रही है। छठ पूजा के लिए उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा सहित विभिन्न गंतव्यों के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। ये स्पेशल ट्रेनें पश्चिम रेलवे से इन गंतव्यों के लिए चलने वाली नियमित ट्रेनों के अतिरिक्त हैं। उपलब्धता और मांग के अनुसार, नियमित ट्रेनों में अतिरिक्त कोच भी जोड़े जा रहे हैं।

2 नवंबर को पश्चिम रेलवे से चलने वाली स्पेशल ट्रेनों का विवरण

मुंबई से प्रस्थान करने वाली ट्रेनें:

- ट्रेन संख्या 09051 दादर - भुसावल स्पेशल, दादर से 00:05 बजे प्रस्थान करेगी।
- ट्रेन नंबर 02200 बांद्रा टर्मिनस- वीरांगना लक्ष्मीबाई स्पेशल बांद्रा टर्मिनस से 05:10 बजे प्रस्थान करेगी।
- ट्रेन संख्या 09189 मुंबई सेंट्रल- कटिहार स्पेशल ट्रेन मुंबई सेंट्रल से 10:30 बजे प्रस्थान करेगी।
- ट्रेन संख्या 02133 बांद्रा टर्मिनस-जबलपुर स्पेशल बांद्रा टर्मिनस से 17:15 बजे प्रस्थान करेगी
- ट्रेन संख्या 05054 बांद्रा टर्मिनस - गोरखपुर अनारक्षित विशेष ट्रेन बांद्रा टर्मिनस से 21:25 बजे प्रस्थान करेगी

सूरत/उधना/वापी/वलसाड से प्रस्थान करने वाली ट्रेनें:

- ट्रेन संख्या 09013 उधना - छपरा स्पेशल उधना से 07:00 बजे प्रस्थान करेगी।
- ट्रेन संख्या 09001 उधना - जयनगर अनारक्षित स्पेशल उधना से 10:10 बजे प्रस्थान करेगी।
- ट्रेन संख्या 09056 उधना - बांद्रा टर्मिनस स्पेशल उधना से 16:15 बजे प्रस्थान करेगी।
- ट्रेन संख्या 09005 उधना - छपरा अनारक्षित स्पेशल उधना से 19:00 बजे प्रस्थान करेगी।
- ट्रेन संख्या 09063 वापी - दानापुर स्पेशल वापी से 22:00 बजे प्रस्थान करेगी।

वडोदरा से प्रस्थान करने वाली ट्रेनें:

- ट्रेन संख्या 09115 वडोदरा-धनबाद स्पेशल ट्रेन वडोदरा से 00:45 बजे प्रस्थान करेगी।
- ट्रेन संख्या 09195 वडोदरा-मऊ स्पेशल ट्रेन वडोदरा से 19:00 बजे प्रस्थान करेगी।

अहमदाबाद से प्रस्थान करने वाली ट्रेनें:

- ट्रेन संख्या 09461 अहमदाबाद - दानापुर स्पेशल अहमदाबाद से 08:25 बजे प्रस्थान करेगी।
- ट्रेन संख्या 09421 साबरमती-सीतामढ़ी स्पेशल साबरमती से 19:45 बजे प्रस्थान करेगी।
- ट्रेन संख्या 09411 अहमदाबाद-ग्वालियर स्पेशल अहमदाबाद से 20:25 बजे प्रस्थान करेगी।

आध्यात्मिक — उपचार

निशांत के. शर्मा
न्यूमरोलॉजर, एस्ट्रोलॉजर, औरा एक्सपर्ट एंड वास्तु कंसल्टंट
मो.: 9305793058

आप कर्ज से परेशान हैं, तो आपको मंगलवार के दिन ऋणमोचक मगलस्तोत्र का पाठ करना किसी कि चाहिए। ऐसा लगातार करने से आपके जीवन से जुड़े सभी कर्ज आसानी उतर जाते हैं। इसके साथ-साथ व्यक्ति को धन-धान्य की णाप्ति होती है। ऋणमोचक मंगल स्तोत्र का पाठ विशेष रूप से मंगलवार के दिन (सूर्योदय के समय) करना चाहिए। ध्यान रखें पाठ शुरू करने से पहले भगवान गणेश और भगवान हनुमान की आराधना करें और अंत में मंगल ग्रह के लिए प्रार्थना करें और अपने ऋण से मुक्ति की प्रार्थना करें।

पश्चिम रेलवे
मरम्मत कार्य
सीनियर डीईई/पी/बीसीटी आमंत्रित करता है ई-निविदा नोटिस संख्या: ईएल-मेंट-81-806-डब्ल्यूए-9 दिनांक 29-10-2024. कार्य और स्थान: मुंबई डिवीजन: 2 वर्षों के लिए एलईडी स्टेशन नाम बोर्ड और एलईडी ग्लो साइन बोर्ड की मरम्मत. **कार्य की अनुमानित लागत:** रु 48,51,508.00/-. **बोली सुरक्षा ईएमडी की लागत:** 97,000/-. **जमा करने की तिथि और समय:** 03.12.2024, 15:00 बजे तक. **खुलने की तिथि और समय:** 03.12.2024 को 15:30 बजे.अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0700
लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
ऑक्यूपेंसी सेंसर-आधारित नियंत्रकों का प्रावधान
सीनियर डीईई/पी/बीसीटी आमंत्रित करता है ई-निविदा नोटिस संख्या: ईएल-4-314-डब्ल्यूए-6 (आर-1) दिनांक 28-10-2024. **कार्य और स्थान: मुंबई डिवीजन:** एयर कंडीशनर इकाइयों के लिए ऑक्यूपेंसी सेंसर-आधारित नियंत्रकों के प्रावधान द्वारा ऊर्जा संरक्षण. **कार्य की अनुमानित लागत:** 1,18,70,826.00/- **बोली सुरक्षा ईएमडी की लागत:** 2,09,400/- **जमा करने की तिथि और समय:** 29.11.2024, 15:00 बजे तक. **खुलने की तिथि और समय:** 29.11.2024 को 15:30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0699
लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
विभिन्न स्टाफ क्वार्टरों की रीवायरिंग
सीनियर डीईई/पी/बीसीटी आमंत्रित करता है ई-निविदा सूचना संख्या: ईएल-80-471-डब्ल्यूए-45 दिनांक 28-10-2024. **कार्य और स्थान: मुंबई उपनगरीय खंड:-** विभिन्न स्टाफ क्वार्टरों की रीवायरिंग (टाइप 1-800 संख्या, टाइप II-400 संख्या). **कार्य की अनुमानित लागत:** 2,28,96,696.00/-. **बोली सुरक्षा ईएमडी की लागत:** 2,64,500/-. **जमा करने की तिथि और समय:** 29.11.2024, 15:00 बजे तक. **खुलने की तिथि और समय:** 29.11.2024 को 15:30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0697
लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
रखरखाव कार्य
डीआरएम (एम)-बीसीटी आमंत्रित करता है ई-निविदा: बीडीटीएस-ईटीपी-ओ-एम-2024 दिनांक: 26.10.2024. कार्य का नाम: बांद्रा टर्मिनस: दो वर्ष की अवधि के लिए 1.0 एमएलडी एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) का व्यापक वार्षिक रखरखाव और संचालन (एडिटिव्स के साथ). **निविदा बंद होने की तिथि:** 18.11.2024 को 15:00 बजे*.**विज्ञापित मूल्य:** 3393010.42/-. **बयाना राशि:** 67900.00/-. **बोली शुरू होने की तिथि:** 04.11.2024. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। मैन्युअल ऑफ़र की अनुमति नहीं है. 0692
लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
रखरखाव कार्य
वरिष्ठ डीएसटीई/उत्तर/मुंबई सेंट्रल, द्वितीय तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400 008 द्वारा आमंत्रित किया जाता है. **क्र. 1. ई-निविदा संख्या एस.जी.-141-1-69-एसएम. कार्य एवं स्थान:** विरार-सूरत खंड में गेट/ऑटो सूचना जैसे ट्रैक/सिग्नल/एलसी गेट संकेत के लिए एसएम कक्ष में सिमुलेशन पैनल प्रदान करके एलसी गेट पर विश्वसनीयता एवं सुरक्षा में सुधार. **कार्य की अनुमानित लागत: 77,25,138.00/-. ईएमडी:** 1,54,500.00/ क्र.2. **ई-निविदा संख्या एसजी-141-1-69-ओएफसी. कार्य एवं स्थान:** विरार-सूरत खंड में एलसी गेट पर विश्वसनीयता एवं सुरक्षा में सुधार के लिए ओएफसी एवं एसएनटी केबल एवं अन्य दूरसंचार सामग्री बिछाना. **कार्य की लागत:** 75,09,287.00/-. **ईएमडी:** 1,50,200.00/-. दोनों **ई-निविदा दस्तावेजों को जमा करने के लिए बंद होने का समय और तिथि:** 15:00 बजे तक, 20.11.2024. दोनों **ई-निविदा को खोलने का समय और तिथि:** 15:30 बजे. 20.11.2024. निविदा को वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है. 0695
लाइक करें : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
सामग्री प्रबंधन विभाग
विभिन्न सामग्री आपूर्ति
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना संख्या. एस/62/2024 दिनांक 29.10.2024

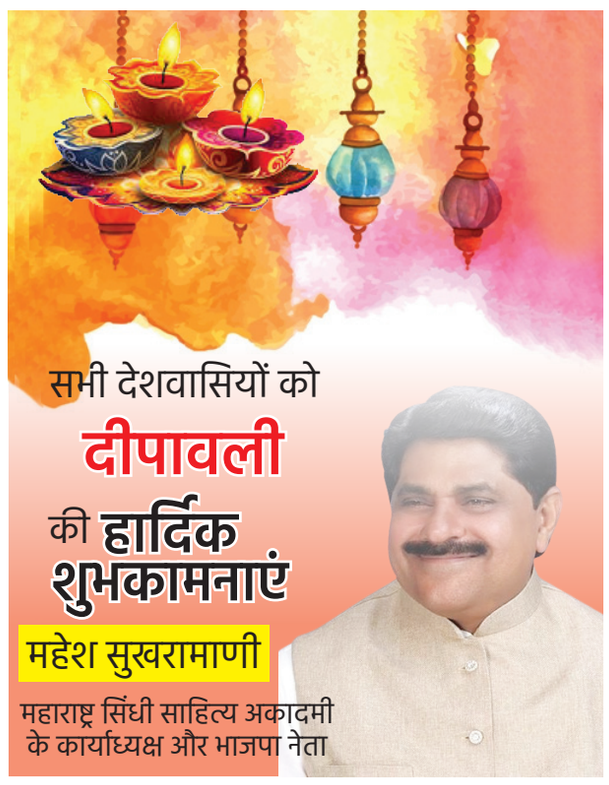

एस.एन.	वस्तु का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी.
711	पानी रहित मूत्रालयों की आपूर्ति और स्थापना	80 संख्या	25-नवम्बर-24
712	गोल्ड प्लेटेड सिल्वर मेडल	2887 संख्या	26-नवम्बर-24
713	3 फेज लोकोमोटिव के लिए 4" एयर फ्लो इंडिकेटर	194 संख्या	26-नवम्बर-24
714	एसएमपीएस आधारित आई पीएस सिस्टम	4 संख्या	28-नवम्बर-24
715	लेबीरिंथ और बियरिंग का सेट	176 सेट	02-दिसंबर-24

*विस्तृत सूचना ईएमडी, खरीद प्रतिबंध और विस्तृत निविदा शर्तों के बारे में, कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in और wr.indianrailways.gov.in पर जाएं. 0696
हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly | Follow us on: X.com/WesternRly

दो बजे दोपहर

संपादकीय

धमकियों के खिलाफ

भारत में हमले या विस्फोट की धमकियों का सिलसिला चिंताजनक और विचारणीय है। हालांकि, अच्छी बात है कि यह मामला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी संज्ञान में है और सरकार दोषियों पर शिकंजा कसती चली आ रही है। विशेष रूप से भारतीय विमान सेवाओं को निशाना बनाने की मिल रही धमकियों के बीच सुरक्षा एजेंसियां पूरी सतर्कता बरत रही हैं। सरकार फर्जी बम धमकी संदेशों और कॉल को गंभीरता से ले रही है, तो यह जरूरी भी है। ऐसी धमकियों में से अगर एक भी सही हो जाए, तो एक बड़ा झटका हो जाएगा। उन तमाम स्रोतों पर चौकसी बढ़ा देनी चाहिए, जहां से धमकियां आ रही हैं। इंटरनेट की दुनिया में निजी कंपनियों का वर्चस्व है, लेकिन सरकार की पहरेदारी कमजोर नहीं पड़नी चाहिए। मेटा, एक्स या किसी भी अन्य प्लेटफॉर्म के जरिये अगर धमकी मिल रही है, तो उसका गंभीरता से पीछा करना चाहिए। कई बार बहुत सामान्य किस्म के लोग भी किसी न किसी सनक के वशीभूत होकर धमकी देने पर उतर आते हैं और बाद में पुलिस का जब शिकंजा कसता है, तो गिड़गिड़ाने लगते हैं। ऐसे लोगों को भी आसानी से जाने नहीं देना चाहिए। ऐसी एक-एक धमकी कड़ी कार्रवाई की मांग करती है। सोशल मंचों को भी सलाह दी गई है कि इस तरह की धमकियों को लोगों के बीच प्रसारित होने से रोका जाए। इसलिए ऐसी धमकियों को तत्काल प्लेटफार्म से हटा लिया जाए। फर्जी धमकियों का लोगों के लिए कोई महत्व नहीं है, पर सुरक्षा एजेंसियों केलिए ये धमकियां मायने रखती हैं। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को भी पूरी तरह सतर्क रहना चाहिए। धमकियों से निपटना और सतर्क रहना किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। बम की धमकियों के संदर्भ में विमानन कंपनियों के अधिकारियों को भी परस्पर सतत सहयोग के साथ काम करना चाहिए। ध्यान देने की बात है कि जिस दौर में खालिस्तानी आंदोलन जोरों पर था, उस दौर में विमान अक्सर आतंकियों के निशाने पर पाए जाते थे। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने तब न केवल धमकी देने वालों के नेटवर्क को तोड़ा, बल्कि धमकी देने वालों पर भी शिकंजा कस दिया। नतीजा, भारत में सुरक्षा का माहौल बना। सुरक्षित माहौल अभी भी है, पर कुछ तत्व अच्छे माहौल में असुरक्षा का विष घोलना चाहते हैं। ध्यान रहे, किसी-किसी दिन तो बीसियों धमकियां मिल रही हैं और केवल विमान या एयरपोर्ट ही निशाने पर नहीं हैं। लखनऊ के होटल ताज को भी धमकी मिली है और तिरुपति के इस्कॉन मंदिर को भी। धमकियों की विविधता भी चिंता बढ़ा रही है। धमकियों की पूरी प्रवृत्ति को समझने की जरूरत है। जरूरी नहीं कि धमकियों के पीछे एक खास समूह हो, अनेक लोग या अनेक समूह भी हो सकते हैं। इतना तय है कि इन तमाम दोषियों की असली जगह जेल में है। एक बड़ा खतरा डार्क वेब का है, जहां से आने वाली किसी कॉल या संदेश का पता लगाना असंभव हो जाता है। हालांकि, नए भारत के पास डार्क वेब को भी खंगालने की क्षमता होनी चाहिए। ऐसे पेशेवरों की जरूरत है, जो बिना समय गंवाए धमकी देने वालों तक पहुंच सकें। ध्यान रहे, यह दीपावली का समय सभी के लिए सतर्कता सुनिश्चित करने का समय है। फर्जी धमकी ही सही, ऐसे तमाम अपराधों के खिलाफ हमें मिलकर लड़ना चाहिए। किसी भी प्रकार की असुरक्षा के खिलाफ हमारी सजगता ही सबसे सही जवाब है।

शख्सियत | योगेश्वर दत्त

कुश्ती का एक सितारा

योगेश्वर दत्त भारतीय कुश्ती के एक प्रसिद्ध और सम्मानित पहलवान हैं। उनका जन्म 2 नवंबर 1982 को हरियाणा के भिवानी जिले में हुआ था। योगेश्वर का कुश्ती के प्रति रुझान बचपन से ही था, और उन्होंने अपने परिवार के समर्थन से इस खेल में अपनी यात्रा शुरू की।

योगेश्वर ने अपने करियर की शुरुआत 2001 में की और जल्द ही उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाना शुरू कर दिया। उन्होंने 2012 लंदन ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 60 किलोग्राम वेट कैटेगरी में कांस्य पदक जीता। यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का क्षण था। उनका सबसे बड़ा मील का पत्थर 2010 में हुआ, जब उन्होंने नई दिल्ली में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद, उन्होंने 2013 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक प्राप्त किया, जिससे वे विश्व स्तर पर एक प्रतिष्ठित पहलवान बन गए। योगेश्वर की कुश्ती की शैली और तकनीक उन्हें अद्वितीय बनाती है। उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण ने उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिताब दिलाए। वे कई बार राष्ट्रीय चैंपियन रह चुके हैं और उन्हें कई पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है, जिसमें अर्जुन पुरस्कार और पद्म श्री शामिल हैं। योगेश्वर दत्त न केवल एक उत्कृष्ट पहलवान हैं, बल्कि वे युवा पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा स्रोत भी हैं। उन्होंने अपने करियर के दौरान खेल को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रमों में भाग लिया है और युवा खिलाड़ियों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया है। उनकी कहानी युवा खिलाड़ियों के लिए एक उदाहरण है कि कठिनाइयों का सामना करते हुए भी अपने लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

नई पीढ़ी के युवा उपदेशक और समाज: आखिर संतन को कहां सीकरी से काम?

अमिय भूषण

धर्म आस्था एवं विश्वास का मुद्दा है जिसकी प्राणवायु श्रद्धा है। किंतु यह सदैव भावनाओं से ही पुष्ट प्राप्त करता है। ऐसे मे भावनाओं पर बाजार के वर्चस्व नाते धर्म कलंकित हो रहा है। हालिया प्रकरण तथाकथित बाल संत अभिनव अरोड़ा और चर्चित कथावाचिका जया किशोरी से संबंधित है। ये दोनों इन दिनों खबरों मे है। बात अभिनव की करे तो स्वामी रामभद्राचार्य ने उसे डॉट लगाते हुए अपने एक कथा मंच से उतरने को कहा था जिसके बाद इस पर उनका मंतव्य भी आ चुका है। जबकि जया किशोरी काताजातरीन मामला एक बैग के उपयोग से संबंधित है।

इसे वो अपनी एक हवाई यात्रा क्रम मे उपयोग करती नजर आई है। उनकी यह यात्रा चंडीगढ़ मे आयोजित वृंदावन प्राकट्य महोत्सव नामक धार्मिक समागम का है। दरअसल, इस प्रसिद्ध थैले की निर्माणकर्ता कंपनी गाय के चमड़ी से अपने उत्पादों को बनाने के लिए मशहूर है। इस पूरे प्रसंग मे मीडिया द्वारा इन दोनों के पक्ष को जानने के प्रयास उपरांत लोगबाग मुखर हुए है। इनके तौर तरीके और अटपटे बोल पहले से भी सवालो के घेरे मे थे। किंतु प्रेस के समक्ष जिस अंदाज मे इन्होंने अपनी बात रखी उससे संतों को लेकर एक बनी बनाई छवि धूमिल हुई।

अभिनव और उसके अभिभावकों ने इस पूरे प्रसंग के लिए सोशल मीडिया पर अपनी प्रभावी उपस्थिति रखने वाले कुछेक यूट्यूबर को दोषी ठहराते हुए उनपे कानूनी कार्यवाही की बात की है। वही खुद को प्रेरक वक्ता बताने वाली जया किशोरी ने बैग प्रसंग को व्यक्तिगत पसंद का मामला बताते हुए विराम देने की कोशिश की है। इनके इस वार्ता का अर्थ निकाला जाए तो इसके अनुसार इनकी सोच अधिकतम सुविधाओं के उपभोक्त की है। इसमें कोई बुराई भी नही है किंतु यह भारतीय मूल्यबोधो के ठीक उलट है।

यह एक ऐसा समाज है जिसकी सोच सदियों से अतिथि और अभ्यागतों के सेवा तक ही धन संग्रह की रही है। ऐसे मे यहां के लिए ये विचार निश्चित ही अप्रासंगिक है। किंतु बात केवल यही तक सीमित नही है। इन्होंने मोह माया साधु संत संन्यास वैराग्य पर भी अपनी बेबाक बातें रखी है। इस क्रम मे उन्होंने खुद को इससे सर्वदा पृथक एक सामान्य लड़की कहा है। उनकी यह बात ही जन भावनाओं को सर्वाधिक आहत करने वाली है। आखिर फिर एक प्रेरक वक्त और भागवत कथाकार के तौर पर प्रवचन करने का क्या मतलब है? क्योंकि कथा और सत्संग का काम युगों युगों से समाज को दिशा दिखाने का रहा है। भक्ति के जागरण द्वारा व्यक्तियों के रूपांतरण की गाथा ही तो प्रवचन है। एक ऐसा जीवन जो नैतिकता से ओतप्रोत हो। जहाँ मूल्य आदर्शों संग ईश्वर मे सदैव विश्वास वाली आस्था का निर्माण हो। उपदेश इसी नवनिर्माण के उपक्रम का तो एक नाम है। इस नाते ये काम सदैव से कुछेक लोगो के जिम्मे हुआ करता था। साधु संन्यासी, पुरोहित पाहन, गुरु और ओझा इसे अपने तौर तरीकों से जरूर किया करते थे। किंतु एक अनिवार्य शर्त थी उनका साधु स्वभाव होना था।

जहां ज्ञान के चिरंतन अभ्यास संग जीवन का भी धवल निर्मल और निर्दोष होना नितांत आवश्यक है। इसलिए रामचरित मानस मे साधु स्वभाव के लिए गोस्वामी तुलसीदास संत स्वभाव नवनीत समाना कहते है। वास्तव मे प्रवचन उद्बोधन का अधिकार केवल उन्ही को है जो स्वार्थ से रहित और परमार्थ से युक्त हो। जिनमे किंचित मात्र भी किसी सत्ता का भय नहीं हो तथा वे सदैव सत्य संभाषण करने वाले हो। इनके मुख और मन दोनों मे ही सर्वदा भगवत नाम की अनुगूंज हो। अन्यथा मतांध मुगलों के सामने सीन चौड़ा कर कुंभन दास संत स्वभाव का परिचय नही देते।

उनकी ही प्रसिद्ध वाणी है संतन को कहाँ सीकरी सो काम'। ज्ञान तथा भगवान की चर्चा करने वालों को राजसी ठाठ बाट से क्या और क्यों लेना देना होना चाहिए?संत कवि कुंभन दास अपनी इसी रचना में कहते है आवत जात पनहिया टूटे बिखर जात हरि नाम। इसका अभिप्राय है की तुम जैसे ऐश्वर्यशाली मदांध से मिलने के नाते न केवल मेरी चप्पल टूट गई अपितु हरि नाम भी भूल जाता हूं।

इसके उलट अब बदलते दौर मे हमारी आध्यात्मिक विरासत को बढ़ाने की महत्ती जिम्मेदारी केवल बाजार के कंधों पर है। इसलिए बाजार ने अभिनव जैसे रील बॉय को बालसंत तो कुमार विश्वास से कवि को राम कथा मर्मज्ञ बना दिया है। जया किशोरी और देवी चित्रलेखा सी केवल सुंदर काया कोमल कंठ वाली नारियां सफल भगवत कथावाचिकायें है।

इस बदलते दौर ने अली मौला के पैरोकार मुरारी बापू को श्रद्धये संत बनाया है। ऐसे ही उदाहरणों ने हिंदी फिल्मों के प्रसिद्धि लेखक एवं कवि मनोज मुंतशिर को भी मनमाने रचनात्मकता की असीमित छूट दी है। जिस नाते न केवल उन्होंने रामकथा का अमर्यादित चित्रण किया अपितु पौराणिक कथाओं के एक वक्ता के तौर पर वो भी अब सामने है। इनमे से कोई भी सनातन परंपरा के अधिकृत आचार्य अथवा प्रवक्ता नही है।

इन्होंने ना तो किसी गुरु की संगति की है और ना ही कथा पूर्व कोई प्रशिक्षण अथवा गहन अध्ययन ही पूर्ण किया है। यहां तक की इनमें से किसी ने एक स्वतंत्रत व्यक्ति के रूप मे अभ्यास अथवा यात्राओं के द्वारा भी कुछ आध्यात्मिक नही प्राप्त किया है। अन्यथा ये प्रसिद्ध यायावर राहुल सांकृत्यायन अन्यथा गौतम बुद्ध एवं महावीर के मार्ग के पथिक होते। ये सारी बातें आप इनके रहन सहन और उपदेशों से समझ सकते है। जया किशोरी अपने सुविधानुसार कभी परंपरावादी तो कभी नारीवादी और कभी प्रगतिशील हो जाती है। कुमार विश्वास अकसर यह भूल जाते है की वो राम और सीता की महागाथा रामायण सुना रहे है। अन्यथा वो रावण एवं सूर्पनखा के आदर्श चरित्र की कपोलकथा हर मंच से नही बांचते। बात अभिनव अरोड़ा जैसे बाल संत अथवा बाल व्यासों की करे तो इनमें से अधिकांश के इस रूपांतरण के पीछे उनका परिवार है। इनके अभिभावकों को लगता है की अपने बच्चों के माध्यम से वो प्रसिद्धि और पैसा दोनों प्राप्त कर सकते है। अन्यथा अगर भक्ति होती तो ये बच्चे किसी गुरुकुल में अपनी सेवायें देते हुए शास्त्रों की शिक्षा ग्रहण करते नजर आते। बजाय कृष्ण को छोटा भाई कहने उन संग खेलने पढ़ने और अयोध्या में रामजी के साक्षात् दर्शन की झूठी कहानी नही सुनाते। अतः ऐसे में आवश्यक है की मीडिया के साथ ही समाज भी बाजारी सोच वाले ऐसे हर तथाकथित सनातन संस्कृति प्रवक्ता से परहेज करें। अन्यथा ऐसे ही इनका कारोबार बढ़ता रहेगा और बारंबार सनातन धर्म संस्कृति की हानि ग्लानि तथा ह्रास होता रहेगा।

जीवन मंत्र | अमृत साधना

मन के समुंदर में पड़े संस्कार

ओशो की नसीहत है, 'आदमी अंतिम जगह आ गया है। पुरुष की सभ्यता कगार पर आ गई है। स्त्री का मुक्त होना जरूरी है। स्त्री के जीवन में क्रांति होनी जरूरी है, ताकि वह स्वयं को भी बचा सके और पूरी मानव सभ्यता को भी बचा सके।

आदमी के मन में जो संस्कार हैं, वे कितने गहरे होते हैं? धार्मिक मान्यताएं, नैतिक नियम, विश्वास इनकी गहरी परतें अवचेतन मन के समुंदर में रहती हैं। इन्हें मनोविज्ञान में 'कंडीशनिंग' कहते हैं। कुछ संस्कार दुनिया भर में समान होते हैं। जैसे स्त्री और पुरुष संबंध को लेकर पूरी मनुष्य जाति की सोच एक जैसी है। चाहे कोई देश कितना ही विकसित हो, यह विकास आर्थिक या तकनीकी ही होता है।

स्त्री को लेकर पुरुष के मन में जो धारणाएं हैं, वे उतनी ही पुरानी हैं, जितनी यह धरती होगी। वह सोचता है, स्त्री का कर्तव्य सिर्फ बच्चे पैदा करना और घर सम्हालना है। आज जो त्रियां हर क्षेत्र में सफल हो रही हैं, वह पुरुष की मजबूरी है, कोई पुरुष गहरे में यह स्वीकार नहीं कर पाता कि स्त्री मेरे से आगे निकल जाए। हाल ही में इसका ताजा सबूत मिला अमेरिकी उप-राष्ट्रपति बनने के इच्छुक जेडी वेन्स के फूहड़ कटाक्ष में। मौजूदा अमेरिकी उप-राष्ट्रपति और राष्ट्रपति पद की संभावित डेमोक्रेट प्रत्याशी कमला हैरिस के लिए उन्होंने कहा कि कमला जैसी 'कैट लेडी' औरतें अंदर से दुखी होती हैं और वे पूरे देश को दुखी करती हैं। कैट लेडी, अर्थात वे बुजुर्ग महिलाएं, जिनकी अपनी संतान नहीं होती और जो बिल्लियां पालकर उनकी कमी पूरी करती हैं।

यह बेहद दकियानूसी सोच है कि स्त्री में कितनी ही प्रतिभा क्यों न हो, अगर वह बच्चे पैदा नहीं करती, तो जिंदगी में असफल हो गई। लेकिन लोगों को यह खबर ही नहीं है कि अब बच्चे पैदा करना या न करना, स्त्री का चुनाव है, मजबूरी नहीं। उसका व्यक्तित्व इतना विकसित हुआ है कि जैविक मां बनना उसे बंधन जैसा लगता है। उसके जीवन की सफलता बच्चा पैदा करने में नहीं, खुद को पैदा करने में है। वेन्स ने अमेरिका की जिन 'कैट लेडीज' का नाम लिया, वे सब प्रतिभाशाली स्त्रियां हैं। उन्होंने देश-दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। अब एक नई किस्म की स्त्री विकसित हो रही है, जो एक शक्ति बनकर जी सकती है, व्यक्ति की तरह नहीं; जिसमें इतनी गैरत है कि वह अपनी प्राथमिकता को खुद चुने।

ओशो की नसीहत है, 'आदमी अंतिम जगह आ गया है। पुरुष की सभ्यता कगार पर आ गई है। स्त्री का मुक्त होना जरूरी है। स्त्री के जीवन में क्रांति होनी जरूरी है, ताकि वह स्वयं को भी बचा सके और पूरी मानव सभ्यता को भी बचा सके। स्त्री के ऊपर यह इतना बड़ा दायित्व है, जो उसके ऊपर पहले कभी भी नहीं था। अगर स्त्री अपनी पूरी हार्दिकता, अपने पूरे प्रेम, पूरे संगीत, पूरे काव्य, व्यक्तित्व के पूरे फूलों को लेकर जगत पर छा जाए, तो युद्ध आज बंद हो सकते हैं। लेकिन पुरुष जब तक हावी है दुनिया पर, तब तक युद्ध बंद नहीं हो सकते। पुरुष के भीतर युद्ध छिपा हुआ है।'

जीवन ऊर्जा | डैनियल बून: जन्म- जन्म- 2 नवंबर 1734 | जन्म

सपने देखने वाले ही दुनिया को बदलते हैं

डैनियल बून एक प्रसिद्ध अमेरिकी पायनियर और अन्वेषक थे। उनका जन्म 2 नवंबर 1734 को हुआ और 26 सितंबर 1820 को निधन हुआ। उन्होंने केंटकी में बोन्सबरो का स्थापना किया और पश्चिमी अमेरिकी इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे साहस और साहसिकता के प्रतीक माने जाते हैं।

सफलता वही है जब आप गिरते हैं और फिर उठते हैं। आपकी मेहनत और समर्पण का फल अवश्य मिलेगा। जीवन में असफलता केवल एक अनुभव है, जो सफलता की ओर ले जाती है। कभी भी अपने सपनों का पीछा करने से मत डरो। हर दिन एक नई शुरुआत है, इसे अच्छी तरह से जीओ। यदि आप हार मान लेते हैं, तो आप कभी भी जीत नहीं पाएंगे। जो लोग अपने लक्ष्यों के प्रति दृढ़ रहते हैं, वे हमेशा सफल होते हैं। धैर्य और प्रयास से सब कुछ संभव है। सपने देखने वाले ही दुनिया को बदलते हैं। असली साहस वह है जो कठिनाइयों का सामना करते समय दिखाई देता है। हर समस्या में एक अवसर छिपा होता है। आपका दृष्टिकोण आपके भविष्य को निर्धारित करता है। जीवन की चुनौतियाँ आपको मजबूत बनाती हैं। हर कदम जो आप उठाते हैं, वह आपको आपके लक्ष्य के करीब ले जाता है। अपने डर को छोड़कर अपने सपनों की ओर बढ़ें। आपकी मेहनत का मूल्यांकन आपकी उपलब्धियों से किया जाएगा। आपकी कल्पना आपकी वास्तविकता बन सकती है। समस्याएँ अस्थायी होती हैं, परन्तु आपकी इच्छाशक्ति स्थायी होती है।सफलता का पहला नियम है: कभी हार मत मानो। आपकी जिंदगी की कहानी आपके प्रयासों से लिखी जाती है। जब आप अपने कार्य में प्रेम डालते हैं, तो सफलता निश्चित होती है। हर नया दिन नए अवसर लेकर आता है। असली शक्ति कठिनाइयों में विकसित होती है। आपका समर्पण आपकी दिशा को निर्धारित करता है। सकारात्मक सोच के साथ हर चुनौती का सामना करें।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

विष्णु सहस्त्रनाम के नित्य पाठ की महिमा

विष्णु सहस्त्रनाम के नित्य पाठ करने की महिमा के बारे में कहा गया है कि यह 'मेटत कठिन कुअंक भाल के ।' प्रभु के नाम में ऐसी शक्ति है कि विधाता ने यदि किसी के भाग्य में यह लिखा है कि कुछ समय बाद उसको बहुत बीमारी आएगी; किन्तु ऐसा व्यक्ति अगर विष्णु सहस्त्रनाम के बारह हजार पाठ उचित रीति से करता है तो उसकी जन्म-कुण्डली का वह स्थान शुद्ध हो जाता है । उसे महारोग नहीं होता है । जो रोग उसे छह मास भोगना था, वह सब एकाध दिन में भोग कर उसके प्रारब्ध का विनाश हो जाएगा । इसीलिए सभी वैष्णवों को प्रातःकाल भोजन से पहले या रात्रि में सोने से पहले विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ अवश्य करना चाहिए । जीवन में सुख-दुःख का कैसा भी प्रसंग आ जाए, मनुष्य को अपने इस नियम को नहीं छोड़ना चाहिए ।

विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करने वाला मनुष्य कभी पराभव, दुर्गति को प्राप्त नहीं होता है क्योंकि

लाभस्तेषां जयस्तेषां कुतस्तेषां पराजयः ।
येषामिन्दीवरश्यामो हृदयस्थो जनार्दनः

अर्थात्-जिसके हृदय में भगवान विष्णु का ध्यान और मुख में उनके नाम विराजमान हैं, उन्हीं को लाभ होता है, उन्हीं की विजय होती है; उनकी पराजय कैसे हो सकती है ?

जो मनुष्य विष्णु सहस्त्रनाम का नित्य पाठ करता है या सुनता है, उसके साथ इस लोक या परलोक में कहीं पर भी कुछ अशुभ नहीं होता है । वह समस्त संकटों से पार हो जाता है ।

रोगातुर मनुष्य रोग से छूट जाता है, बन्धन में पड़ा हुआ पुरुष बन्धन से छूट जाता है, भयभीत का भय दूर हो जाता है, आपत्ति में पड़ा हुआ मनुष्य आपत्ति से छूट जाता है ।

मनुष्य को जन्ममृत्यु, जरा, व्याधि का भय नहीं रहता है । मनुष्य आरोग्यवान, कान्तिमान, बलवान, रूपवान और सर्वगुणसंपन्न हो जाता है ।

विष्णु सहस्त्रनाम का नित्य शुद्ध मन से पाठ करने वाले व्यक्ति के क्रोध, लोभ, ईर्ष्या आदि दुर्गुण नष्ट हो जाते हैं तथा वह लक्ष्मी, कीर्ति, क्षमा, धैर्य, स्मृति और कीर्ति आदि सद्गुणों को प्राप्त करता है ।

मनुष्य जिस वस्तुधर्म, अर्थ सुख या मोक्ष जिसकी भी इच्छा करता हैउसे प्राप्त कर लेता है ।

जो मनुष्य सूर्योदय के समय इसका पाठ करता है, उसके बल, आयु और लक्ष्मी प्रतिदिन बढ़ते जाते हैं ।

विष्णु सहस्त्रनाम के एक-एक नाम का उच्चारण करते हुए जो मनुष्य भगवान को तुलसी दल अर्पण करता है, उसे करोड़ों यज्ञों के अनुष्ठान की तुलना में अधिक फल प्राप्त होता है ।

भगवान विष्णु ही अनेक रूप धारण करके त्रिलोकी में व्याप्त होकर सबको भोग रहे हैंइसलिए जो मनुष्य श्रेय और सुख पाना चाहता है उसको उनके नामों का नित्य जपपाठ अवश्य करना चाहिए । विष्णु सहस्त्रनाम का नित्य पाठ भगवान में भक्ति को बढ़ाने वाला है । विष्णुलोक तक पहुंचने के लिए यह अद्वितीय सीढ़ी है ।

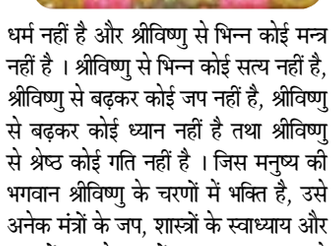

भगवान शिव पार्वतीजी से कहते हैंविष्णुलोक से बढ़कर कोई धाम नहीं है, श्रीविष्णु से बढ़कर कोई तपस्या नहीं है, श्रीविष्णु से बढ़कर कोई धर्म नहीं है और श्रीविष्णु से भिन्न कोई मन्त्र नहीं है । श्रीविष्णु से भिन्न कोई सत्य नहीं है, श्रीविष्णु से बढ़कर कोई जप नहीं है, श्रीविष्णु से बढ़कर कोई ध्यान नहीं है तथा श्रीविष्णु से श्रेष्ठ कोई गति नहीं है । जिस मनुष्य की भगवान श्रीविष्णु के चरणों में भक्ति है, उसे अनेक मंत्रों के जप, शास्त्रों के स्वाध्याय और सहस्त्रों वाजपेय यज्ञों का अनुष्ठान करने की क्या आवश्यकता है मैं सत्य कहता हूँ कि भगवान विष्णु ही सर्वतीर्थमय हैं, वे ही सर्वशास्त्रमय हैं तथा वे ही सर्वयज्ञमय हैं ।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

अवसर आसपास मौजूद हैं, उन्हें पहचानना सीखें

लक्ष्य बड़ा हो और डगर कठिन, लेकिन अगर जज्बा है तो कामयाबी देर से ही सही पर मिलती जरूर है। ऐसा मानना है एक मशहूर स्टार्टअप के सह-संस्थापक मनीत गोहिल का। स्टार्टअप 'लाल10' के सह-संस्थापक मनीत गोहिल ने अपने साथियों संचित गोविल और आल्बिन जोस के साथ इस स्टार्टअप की शुरुआत की। मनीत बताते हैं, 'मैंने अपने हॉस्टल के कमरे से जनवरी 2014 में इस कंपनी की शुरुआत की थी।

दरअसल एक बार मुझे एक आर्ट फेस्टिवल 'काला घोड़ा' में जाने का मौका मिला। यहां मैंने आठ राज्यों के लगभग 80 कारीगरों से मुलाकात की। देखकर मुझे हैरानी हुई कि इन प्रोडक्ट की कीमतें बहुत कम थीं। ग्रामीण कारीगर और शहरी उपभोक्ताओं के बीच की खाई को पाटने के लिए मेरे दिमाग में बस एक ही बात थी। भरपूर मेहनत करने वाले इन कारीगरों को उनकी मेहनत का वाजिब मूल्य मिले।' यही वजह थी कि इस स्टार्टअप का नाम 'लाल10' (लालटेन) रखा गया। आज नोएडा और भुवनेश्वर से बाहर 38 लोगों की एक टीम है, जो वर्तमान में 1200 कारीगरों के सहयोग से काम कर रही है। उनके उत्पादों के खरीदारों में फैब इंडिया, रिलायंस जैसी कई अन्य बड़ी कंपनियां शामिल हैं। इसके लिए मनीत गोहिल, संचित गोविल और आल्बिन जोस को फोर्ब्स इंडिया 30 अंडर 30 सूची में शामिल भी किया गया है। इंजीनियरिंग करने के बाद इन युवाओं ने स्टार्टअप की राह चुनी। देश के विभिन्न हिस्सों से अपने हथकरघा, हस्तशिल्प और स्वदेशी खाद्य उत्पादों को पेश करने के लिए ई-कॉमर्स पोर्टल की शुरुआत की गई। मकसद यही था कि देश के दूर-दराज इलाकों के कारीगर दुनियाभर में अपना सामान बेच सकें। मनीत बताते हैं, 'शुरुआत में हमने कम आय वर्ग वाले आठ राज्यों के सैकड़ों गांवों को आर्ट विलेज के रूप में चुना। वहां आज 1200 से अधिक युवा हैंडीक्राफ्ट में नई स्किल्स को सीख कर कार्य को गति दे रहे हैं। समय-समय पर इन्हें डिजाइन टीम प्रशिक्षण देती है और जरूरी मदद मुहैया कराती है।'

इस स्टार्टअप को बहुत ही कम समय में 18 देशों के 300 से अधिक बड़े थोक खरीदार मिल गए हैं। शुरुआत में प्रत्येक कारीगर को न्यूनतम 15 हजार रुपये की मासिक आय सुनिश्चित भी की जाती है। मनीत बताते हैं, 'अब हमारा एकमात्र उद्देश्य देश के संपूर्ण 7 मिलियन कारीगरों की आबादी को एक साथ लाना है और उनकी कला को दुनिया के सामने पेश करना है। हर दिन हमारी वेबसाइट पर लगभग 1000 विजिटर आ रहे हैं। इसमें कई लोग कारीगरों से जुड़ जाते हैं। स्टार्टअप काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है दूसरे फेज में अमेरिका, जर्मनी और भारत के कई फाउंडेशंस ने इसका समर्थन किया है। हम और अधिक ब्रांड्स के साथ सहयोग कर रहे हैं, ताकि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हमारे सामानों की व्यापक पहुंच हो।

मनीत गोहिल ने कहा, ग्रामीण कारीगर और शहरी उपभोक्ताओं के बीच की खाई को पाटने के लिए मेरे दिमाग में बस एक ही बात थी कि भरपूर मेहनत करने वाले इन कारीगरों को उनकी मेहनत का वाजिब मूल्य

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

न्यूज ब्रीफ

छठ पूजा की छुट्टी के लिए मुख्य सचिव को लिखा पत्र

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने शुक्रवार को मुख्य सचिव को छठ पूजा की छुट्टी के लिए पत्र लिखा है। पत्र में छठ पूजा को राजधानी दिल्ली के लोगों के लिए महत्वपूर्ण त्योहार बताया गया है। इसके बाद 7 नवंबर 2024 को छठ पूजा के मौके पर सार्वजनिक छुट्टी घोषित की गई है।

लेह में शुरू हुआ भारत का पहला एनालॉग अंतरिक्ष मिशन

नई दिल्ली। भारत का पहला एनालॉग अंतरिक्ष मिशन लेह में शुरू हो गया है। तस्वीरें साझा कर इसरो ने इस बात की जानकारी दी है। इस अंतरिक्ष मिशन से भारत के स्पेस मिशन को खूब फायदा होगा। भारत आने वाले समय में चन्द्रमा और मंगल पर मानव मिशन लॉन्च करने वाला है। इसरो ने कहा कि, ₹भारत का पहला एनालॉग अंतरिक्ष मिशन लेह में शुरू हुआ है। मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र, इसरो, AAKA स्पेस स्टूडियो, लद्दाख विश्वविद्यालय, आईआईटी बॉम्बे और लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद द्वारा समर्थित यह एक संयुक्त प्रयास है। यह मिशन पृथ्वी से परे एक बेस स्टेशन की चुनौतियों से निपटने के लिए एक अंतरग्रहीय आवास में जीवन का अनुकरण करेगा।₹

कोलकाता में 500 किलो प्रतिबंधित पटाखे जब्त, 292 लोग गिरफ्तार

कोलकाता। कोलकाता में दिपावली के दिन प्रतिबंधित पटाखे फोड़ने और उपद्रव करने को लेकर 292 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि दिवाली सेलिब्रेशन के दौरान 500 किलो से ज्यादा प्रतिबंधित पटाखे जब्त किए गए। पुलिस ने बताया कि कोलकाता में प्रतिबंधित पटाखे जलाने पर एक्शन आज भी जारी रहेगा, क्योंकि उन्हें इनपुट मिला है कि शहर में बड़ी मात्रा ये प्रतिबंधित पटाखे बेचे गए हैं।

सरकार ने अक्टूबर में GST से 1.87 लाख करोड़ जुटाए

नई दिल्ली। सरकार ने अक्टूबर 2024 में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स, यानी GST से 1.87 लाख करोड़ रुपए जुटाए हैं। सालाना आधार पर इसमें 9% की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले यानी अक्टूबर 2023 में सरकार ने 1.72 लाख करोड़ रुपए GST कलेक्ट किया था। ग्रॉस टैक्स कलेक्शन के लिहाज से यह अब तक का दूसरा सबसे बड़ा कलेक्शन है। इससे पहले अप्रैल 2024 में 2.10 लाख करोड़ और अप्रैल 2023 में 1.87 लाख करोड़ रुपए का GST सरकार ने वसूला था। वहीं, पिछले महीने सितंबर में सरकार ने GST से 1.73 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे। रिफंड के बाद नेट GST कलेक्शन 1.68 लाख करोड़ रुपए रहा। पिछले साल अक्टूबर के मुकाबले यह आंकड़ा 8% ज्यादा है। यह कलेक्शन में सिंगल डिजिट की ग्रोथ का तीसरा महीना है। सितंबर में ग्रॉस GST कलेक्शन 6.5% बढ़ा था। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 1.86 लाख करोड़ रुपए की तुलना में दूसरी तिमाही में एवरेज GST कलेक्शन की गति घटकर 1.77 लाख करोड़ रुपए मंथली रह गई। अक्टूबर लगातार आठवां महीना है, जब मंथली कलेक्शन 1.7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 के पहले छमाही में GST कलेक्शन 10.87 लाख करोड़ रुपए रहा, जो वित्त वर्ष 24 की पहली छमाही की तुलना में 9.5% ज्यादा था।

कांग्रेस को समझ आया, झूठे वादे आसान नहीं : मोदी

खड़गे ने कहा था- वादे वो करो, जो पूरा कर सको, नहीं तो बदनामी होती है

एजेंसी । नई दिल्ली

मल्लिकार्जुन खड़गे के चुनावी वादों पर दिए बयान पर पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पलटवार किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा- कांग्रेस को यह बात अब समझ में आ रही है कि झूठे वादे करना तो आसान है, लेकिन उन्हें सही तरीके से लागू करना मुश्किल या नामुमकिन है। दरअसल 31 अक्टूबर को बेंगलुरु में एक कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि, हमें वो वादे करने चाहिए, जो पूरे किए जा सके। नहीं तो आने वाली पीढ़ी के पास बदनामी के अलावा कुछ नहीं बचेगा।

मोदी ने लिखा- कांग्रेस शासित राज्यों में स्थिति बदतर

पीएम ने लिखा- कांग्रेस लगातार प्रचार अभियान चलाकर लोगों से वादे करती रहती है, जिन्हें वे कभी पूरा नहीं कर पाएंगे। अब वे लोगों के सामने पूरी तरह बेनकाब हो चुके हैं। आज कांग्रेस की सरकार वाले किसी भी राज्य को देख लीजिए - हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना - विकास की गति और वित्तीय सेहत बद से बदतर होती जा रही है। उनकी तथाकथित गारंटी अधूरी पड़ी है, जो इन राज्यों के लोगों के साथ एक भयानक धोखा है। ऐसी राजनीति का शिकार गरीब, युवा, किसान और महिलाएं हैं, जिन्हें न केवल इन वादों का लाभ नहीं मिल रहा है, बल्कि उनकी मौजूदा योजनाएं भी कमजोर होती जा रही हैं।

पीएम ने लिखा- कांग्रेस अंदरूनी राजनीति और लूट में व्यस्त

पीएम ने आगे लिखा कि कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी विकास करने की बजाय पार्टी की अंदरूनी राजनीति और लूट में व्यस्त है। इतना ही नहीं, वे मौजूदा योजनाओं को भी वापस लेने जा रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं दिया जाता। तेलंगाना में किसान अपने वादे के मुताबिक कर्जमाफी का इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले छत्तीसगढ़ और राजस्थान में उन्होंने कुछ ऐसे भत्ते देने का वादा किया था जो पांच साल तक लागू नहीं किए गए। कांग्रेस किस तरह काम करती है, इसके कई उदाहरण हैं।

चिकमगलुरु देवीराम्मा हिल मंदिर में एकत्रित हुए हजारों श्रद्धालु, हादसे में कई लोग घायल

एजेंसी । बेंगलुरु

वार्षिक दीपावली समारोह के लिए कर्नाटक के चिकमंगलूर स्थित देवीराम्मा हिल मंदिर की ओर जाते समय कई श्रद्धालु घायल हो गए। लगातार बारिश के बावजूद, हजारों लोग देवी बिंदिगा देवीराम्मा का आशीर्वाद लेने के लिए 3,000 फीट ऊंची पहाड़ी पर चढ़े। यह मंदिर मल्लेनहल्ली में स्थित है और साल में केवल एक बार दीपावली के दौरान खुलता है, यहाँ पूरे कर्नाटक से पर्यटक आते हैं, जो प्रसाद चढ़ाने, तेल, मक्खन और घी लगाने जैसे अनुष्ठानों में भाग लेते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं और बच्चों सहित परिवारों ने बाबाबुदनगिरी में माणिक्यधारा और अरिसिनागुप्पे के माध्यम से चढ़ाई की। अधिकारियों को 3 नवंबर तक चलने वाले उत्सव के कार आगंतुकों की संख्या में वृद्धि की उम्मीद थी।

सुरक्षा उपाय पड़े कम

त्योहार के बीच, कर्नाटक में स्थानीय अधिकारियों ने मंदिर में जोखिम को कम करने के लिए प्रमुख स्थानों पर रस्सियाँ लगाने सहित सुरक्षा उपाय लागू किए थे। लेकिन मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ पहुंची और दुर्घटनाएँ हुईं।

चुनौतियों के बीच उत्सव जारी

जिला प्रशासन, पुलिस बलों के साथ मिलकर स्थिति पर कड़ी नज़र रख रहा है क्योंकि आने वाले दिनों में तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। हालाँकि सुरक्षा एक प्राथमिक चिंता बनी हुई है।

PM मोदी ने 'कन्नड़ राज्योत्सव' की दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कर्नाटक के लोगों को उनके राज्य स्थापना दिवस - 'कन्नड़ राज्योत्सव' की बधाई दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर उन्होंने कहा कि 'कन्नड़ राज्योत्सव' एक बहुत ही खास अवसर है, जो कर्नाटक की अनुकरणीय संस्कृति और परंपराओं को पहचान देता है।

LAC पर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने चीनी सैनिकों से पूछा सवाल

भारतीय सेना ने डेमचोक सेक्टर में शुरू की गश्त

एजेंसी । लद्दाख

पूर्वी लद्दाख में भारत औभारतीय सेना ने डेमचोक सेक्टर में शुरू की गश्तक्टर में गश्त करना शुरू कर दिया है। हाल ही में भारत और चीन के बीच 2020 से पूर्व वाली स्थिति पर लौटने पर सहमति बनी। इसके बाद चीन ने अपने सैनिकों को पीछे किया। कई चरणों की बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच यह गतिरोध खत्म हुआ। भारतीय विदेश मंत्रालय ने ब्रिक्स सम्मलेन से ठीक एक दिन पहले खुलासा किया था कि दोनों देश के बीच सीमा पर जारी गतिरोध पर सहमति बन गई है। इसके बाद ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच साल बाद चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की थी।

मतभेद होना स्वाभाविक

भारत में चीनी राजदूत जू फेइहोंग ने कहा कि पड़ोसी देशों के रूप में भारत और चीन के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है। मगर अहम बात यह है कि इन मतभेदों को कैसे संभाला जाए और कैसे हल किया जाए। भारत और चीन ने हाल ही में भारत-चीन सीमा पर गश्त व्यवस्था पर सहमति जताई है। भारत और चीन के बीच सीमा गतिरोध 2020 में पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में शुरू हुआ था। इसके बाद से ही भारत और चीन के रिश्ते बेहद खराब दौर से गुजर रहे थे।

दीवाली पर बांटी मिठाई

डेमचोक सेक्टर में गश्त शुरू होने के बाद सेना जल्द ही देपसांग सेक्टर में भी गश्त शुरू करेगी। यह गश्त समन्वित तरीके से होगी। मतलब दोनों ही देशों के सैनिकों को गश्त की जानकारी होगी। गुरुवार को दिवाली के अवसर पर भारत और चीन के सैनिकों ने सीमा पर एक-दूसरे को मिठाइयां बांटी। जानकारी के मुताबिक भारत और चीन की सेना ने लद्दाख में हॉट स्प्रिंग्स, काराकोरम दर्रा, दौलत बेग ओल्डी, कोंगक्ला और चुशुल-मोल्दो सीमा पर मिठाइयों का आदान-प्रदान किया।

लद्दाख सांसद ने समझौते का किया स्वागत : लद्दाख के सांसद हाजी हनीफा ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर दोनों देशों के बीच तनाव कम होने का स्वागत किया। लद्दाख सांसद ने कहा कि सीमा पर रहने वाले जानते हैं कि युद्ध कैसा होता है। हम सीमा पर शांति चाहते हैं। दोनों देशों के मध्य हुए समझौते का हम स्वागत करते हैं।

पद्मश्री अर्थशास्त्री डॉ. बिबेक देबरॉय का निधन

एजेंसी । नई दिल्ली

अर्थशास्त्री और प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष डॉ. बिबेक देबरॉय का शुक्रवार को निधन हो गया। वे 69 साल के थे। एम्स दिल्ली की ओर से जारी बयान में कहा गया उन्हें आंतों से जुड़ी बीमारी (इंटेस्टाइन इन्फेक्शन) था। सुबह करीब 7 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित देबरॉय नीति आयोग के सदस्य रह चुके हैं। उन्होंने नई पीढ़ी के लिए सभी पुराणों का अंग्रेजी में आसान अनुवाद लिखा था। डॉ. देबरॉय की प्रारंभिक शिक्षा कोलकाता के नरेन्द्रपुर में रामकृष्ण मिशन

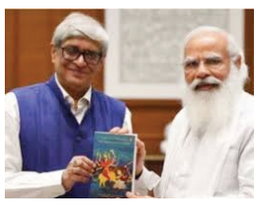

स्कूल में हुई। इसके बाद उच्च शिक्षा उन्होंने कोलकाता के प्रेसीडेंसी कॉलेज, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज से पूरी की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा- डॉ. बिबेक देबरॉय जी एक प्रखर विद्वान थे। वे अर्थशास्त्र, इतिहास, संस्कृति, राजनीति, अध्यात्म और अन्य विविध क्षेत्रों में पारंगत थे।

जम्मू-कश्मीर UT के स्थापना दिवस का NC-कांग्रेस ने किया बहिष्कार

एजेंसी । कश्मीर

जम्मू-कश्मीर यूनियन टैरेटरी के 5वें स्थापना दिवस पर गुरुवार को श्रीनगर में ऑफिशियल इवेंट आयोजित किया गया था, जिसमें सत्ताधारी पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के विधायकों ने बहिष्कार किया। कांग्रेस और NC ने कहा कि वे जम्मू-कश्मीर को यूनियन टैरेटरी नहीं मानते हैं। जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द स्टेटहुड मिलना चाहिए। इसे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा दोनों पार्टियों का दोहरा चरित्र बताया है। एलजी ने कहा कि कांग्रेस और NC के नेताओं ने जम्मू-कश्मीर UT के विधायकों के रूप में संविधान की शपथ ली है। फिर वे ऑफिशियल इवेंट का बहिष्कार कैसे कर सकते हैं। एक तरफ वे शपथ लेकर विधायक बने, दूसरी तरफ आधिकारिक कार्यक्रम का बहिष्कार कर रहे हैं। यह इनका दोहरा चरित्र दर्शाता है। दरअसल, 2019 में अनुच्छेद 370 और 35A हटाते समय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे। सरकार ने उस समय ही राज्य के हालात सामान्य होने पर पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का भरोसा दिया था। हालिया राज्य विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने इसे दोहराया था।

स्थापना दिवस के बहिष्कार पर 3 नेताओं के बयान

CM उमर अब्दुल्ला

जम्मू-कश्मीर लंबे समय तक केंद्र शासित प्रदेश नहीं रहेगा। हम अपना राज्य का दर्जा वापस लेंगे। हम बिजली, सड़क, पानी और रोजगार की जरूरतों को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं। अगर हमारी पहचान कुछ नहीं है, तो इन विकास कार्यों का कोई मतलब नहीं है।

पूर्व CM महबूबा मुफ्ती

यह स्थापना दिवस नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर के लिए काला दिवस है। यह विकास का नहीं, बल्कि अधिकारों से दूर रखने की निशानी है। यह तब तक काला दिवस ही रहेगा जब तक राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष तारीक कर्रा

जम्मू-कश्मीर में कोई भी संवेदनशील व्यक्ति, जो केंद्र शासित प्रदेश और राज्य के बीच का अंतर समझता है, वह कभी भी इस दिन को नहीं मनाएगा। कांग्रेस ने कभी भी अपने दिल में जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश के रूप में मान्यता नहीं दी और हम राज्य के दर्जे के लिए संघर्ष करते रहेंगे।

IAS ऑफिसर राजेश कुमार सिंह नए डिफेंस सेक्रेटरी बने

नई दिल्ली। राजेश कुमार सिंह ने शुक्रवार 1 नवम्बर को आधिकारिक तौर पर नई दिल्ली में रक्षा सचिव का पदभार ग्रहण कर लिया है। केरल कैडर के 1989 बैच के आईएएस अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने इससे पहले 20 अगस्त 2024 से विशेष कार्य अधिकारी (रक्षा सचिव-पदनाम) के रूप में कार्य किया था। बता दें राजेश कुमार सिंह बिहार के रहने वाले हैं। कार्यालय में अपने पहले दिन अफसर राजेश कुमार सिंह ने

नई दिल्ली में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके देश के वीरों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने भारतीय सैनिकों द्वारा किए गए बलिदानों के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा, राष्ट्र हमेशा हमारे बहादुर सैनिकों का ऋणी रहेगा जो मातृभूमि की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देते हैं। उनकी असाधारण बहादुरी और बलिदान भारत को एक सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए हमारे लिए शक्ति और प्रेरणा का स्रोत है।

चार धाम यात्रा 2024 : केदारनाथ मंदिर के कपाट 3 नवंबर को होंगे बंद

बद्रीनाथ। बाबा केदारनाथ के कपाट बंद करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसके लिए मंदिर को 10 क्विंटल फूलों से सजाया जा रहा है। केदारनाथ धाम के कपाट 3 नवंबर को भाई दूज पर बंद किए जाएंगे। बता दें कि, बुधवार 29 अक्टूबर को केदारनाथ धाम के रक्षक भकुंट भैरवनाथ के कपाट बंद हो चुके हैं। इसके अगले दिन यानी बुधवार 30 अक्टूबर को पंच पंडा समिति की ओर से मंदिर के गर्भगृह में लगे सोने के छत्र को उतारकर भंडार गृह में रखा गया है।केदारनाथ धाम के कपाट भैया दूज के अवसर पर रविवार सुबह 8 बजकर 30 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद हो रहे हैं। बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि केदारनाथ मंदिर को दीपावली व कपाट बंद करने के लिए मंदिर समिति व दानदाताओं की ओर से 10 क्विंटल से अधिक फूलों से सजाया जा रहा है।

20 नवंबर को मद्महेश्वर के कपाट होंगे बंद

समिति के मुताबिक बद्रीनाथ धाम के कपाट 17 नवंबर को बंद हो रहे हैं। 4 नवंबर को तृतीय केदार तुंगनाथ और 20 नवंबर को द्वितीय केदार मद्महेश्वर के कपाट शीतकाल के लिए बंद हो रहे हैं। गंगोत्री मंदिर समिति और यमुनोत्री मंदिर समिति के अनुसार

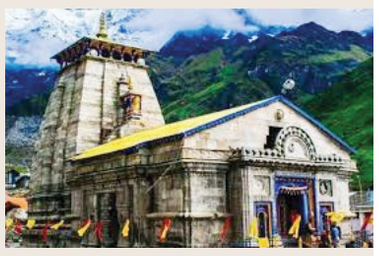

गंगोत्री धाम के कपाट अन्नकूट 2 नवंबर को बंद होंगे जबकि यमुनोत्री धाम के कपाट भी 3 नवंबर को भैया दूज के दिन बंद हो रहे हैं।

चिंताजनक : छठ पूजा से पहले यमुना हुई जहरीली

बीजेपी ने कहा- सफाई के लिए दिए गए पैसे खा गए केजरीवाल

एजेंसी । नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी इन दिनों वायु प्रदूषण के संकट से जूझ रही है। इसी कड़ी में छठ पूजा से पहले यमुना नदी का प्रदूषण स्तर भी खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। यमुना के पानी में अमोनिया की मात्रा बढ़ने की वजह से सफेद झाग की चादर पानी के उपर तैर रही है। बीजेपी ने इसे आप सरकार की अनदेखी और असफलता बताया है। इतना ही नहीं बीजेपी ने अरविंद केजरीवाल पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते, यमुना की सफाई के लिए जो पैसा आया था उसे अरविंद केजरीवाल ने खा लिया। दरअसल, शुक्रवार 1 नवम्बर को कालिंदी कुंज में यमुना नदी में एक बार फिर से जहरीले झाग की परत जमी हुई है। दिल्ली सरकार द्वारा झाग को हटाने के लिए इंतजाम किया जा रहा है। इसी बीच बीजेपी शहजाद पूनावाला ने दिल्ली की आप सरकार पर गंभीर आरोप लगाए है।

सांस लेंगे तो फेफड़े खराब और पानी पिएंगे तो पेट खराब

बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने आगे कहा, अरविंद केजरीवाल दिल्ली को गैस चैंबर बनाने के लिए जिम्मेदार हैं। हमें मास्क पहनना पड़ता है, वे यूपी को दोषी ठहराते हैं लेकिन पंजाब में पराली जलाने के बारे में भूल जाते हैं। छठ पूजा में महिलाओं की सेहत के साथ खिलवाड़ करने के लिए अरविंद केजरीवाल जिम्मेदार हैं। दिल्ली को गैस चेंबर बना दिया। उत्तर प्रदेश और हरियाणा को दोष देते हैं लेकिन उन्होंने आज यमुना नदी के पानी को इतना प्रदूषित कर दिया है। अगर आप सांस लेंगे तो फेफड़े खराब और पानी पिएंगे तो पेट खराब होगा।

यमुना में झाग आप के भ्रष्टाचार का नतीजा

बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला शुक्रवार को कालिंदी कुंज पहुंचे। इस दौरान वे मीडिया से रूबरू हुए और केजरीवाल सरकार पर हमला बोला। बीजेपी नेता ने कहा, दिवाली के अगले दिन जब हम यहां यमुना घाट पर पहुंचे तो हमें नदीं पर एक सफेद मोटी परत दिखाई दी। नदी पर इस झाग के पीछे का कारण अरविंद केजरीवाल और AAP द्वारा किया गया भ्रष्टाचार है। अब छठ पूजा से पहले वे रासायनिक डिफोमर छिड़क रहे हैं। इसका कारण पिछले 10 वर्षों में 7000 करोड़ रुपए यमुना नदी की सफाई के लिए दिए गए थे वो अरविंद केजरीवाल ने भ्रष्टाचार में खा लिए।

आंध्र प्रदेश : पटाखों में ब्लास्ट, 1 की मौत, 6 घायल

स्कूटी से पटाखों का कार्टून गिरते ही IED बम जैसा तेज धमाका हुआ

एजेंसी । अमरेली

अमरावती। आंध्र प्रदेश के एलुरु में स्कूटी से जा रहे 3 लोगों के पास पटाखों में अचानक ब्लास्ट हुआ। इसमें 1 शख्स की मौत हो गई। ब्लास्ट के समय सड़क पर खड़े 3 लोग समेत कुल 6 घायल हुए। इनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना दीवाली के दिन घटी और इसका CCTV वीडियो गुरुवार देर रात सामने आया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एक सफेद स्कूटी पर 2 लोग एक संकरी गली से तेज गति से स्कूटी से जा रहे हैं। समय दोपहर 12.17 बजे का था। स्कूटी सवार के हाथ में 'ऑनियन बम' का

कार्टन था। गली की सड़क आगे जाकर चौड़ी हो जाती है और मेन सड़क से मिल जाती है, स्कूटी जब वहां पहुंचती है तभी वहां अचानक एक गड्ढा आया, जिसकी वजह से कार्टन नीचे गिर गया और तेज ब्लास्ट हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस धमाके की आवाज IED बम जितनी तेज थी। विस्फोट के बाद इलाके में धुआं उठा। चारों ओर कागज के टुकड़े उड़े। जैसे ही धुआं साफ हुआ, दो लोग किसी तरह विस्फोट से बचकर सुरक्षित स्थान की ओर भागे।

खबर संक्षेप

पटाखे के विवाद में एक की हत्या

शेखपुराः शेखपुरा जिले के सिरारी थाना क्षेत्र के महसार गांव में पटाखा जलाने से मना करने को लेकर विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। दीपावली की रात, रिटायर्ड फौजी अजय यादव उर्फ झापो यादव के घर के पास कुछ बच्चे पटाखे फोड़ रहे थे। जब पड़ोसी शिव शंकर महतो ने उन्हें मना किया, तो विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि अजय यादव ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर अपनी लाइसेंसी बंदूक से महतो पर गोली चला दी। महतो को गंभीर हालत में सदर अस्पताल लाया गया, लेकिन बाद में उनकी मौत हो गई। इस घटना में एक महिला भी घायल हुई है, जिसका इलाज चल रहा है। मृतक के परिजनों ने पुलिस पर आरोपियों के प्रति पक्षपात करने का आरोप लगाया है, जबकि पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अरविंद सिंह ने कहा कि पुलिस गांव में स्थिति को संभाल रही है। इस घटना ने गांव में तनाव उत्पन्न कर दिया है, और मामला जातीय रंग लेने की आशंका जताई जा रही है।

गोरखपुर में जाली नोट छापने वाला गिरोह पकड़ा गया

गोरखपुरः गोरखपुर के बेलीपार के भौवापार में पुलिस ने जाली नोट छापने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। बेलीपार थाने की पुलिस ने 100 और 500 रुपये के जाली नोटों के साथ पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान पुलिस ने एक कार से 1.02 लाख रुपये के जाली नोट बरामद किए। गिरोह के सदस्य गोलू कन्नौजिया, प्रशांत पांडेय, अमन विश्वकर्मा, आदित्य सिंह, और मुस्तफा की पहचान की गई। एसपी दक्षिणी जितेंद्र कुमार तोमर ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने वाराणसी रोड पर अर्टिगा कार को रोककर तलाशी ली। पूछताछ में पता चला कि ये लोग पिछले एक महीने से भौवापार स्थित घर में जाली नोट छाप रहे थे। गिरोह का सरगना प्रशांत पांडेय है, जिसने एक प्रिंटर से असली से मिलते-जुलते नोट बनाए। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपितों से पूछताछ जारी है।

रेलवे ट्रैक पार करते समय दो महिलाओं की ट्रेन से कटकर मौत

बहराइचः बहराइच के जरवलरोड थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा झुकिया में एक दर्दनाक हादसे में दो महिलाओं की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे दोनों महिलाएं रेलवे ट्रैक पार कर रही थीं। नित्यक्रिया के लिए जा रहीं इन महिलाओं ने लखनऊ से गोंडा की ओर आ रही एक ट्रेन को देखकर दूसरी पटरी पर रुकने का निर्णय लिया।बनाए। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपितों से पूछताछ जारी है। जैसे ही वह ट्रेन गुजरी, दूसरी पटरी पर अचानक गोंडा से लखनऊ की ओर जा रही मालगाड़ी आ गई, जिसे महिलाएं नहीं देख पाईं।

दीपावली की रात शराब माफिया पर हमला, देवरिया के कुख्यात अजीत सिंह की हत्या

- जुआ खेलते वक्त मारी गई गोली
- देवरिया जिले के कुख्यात शराब तस्कर की हत्या
- शराब माफिया की हत्या से फैला तनाव
- पुलिस जांच में जुटी

एजेंसी । देवरिया

दीपावली की देर रात देवरिया जिले के कुख्यात शराब तस्कर अजीत सिंह उर्फ जड़ी की शूटरों ने हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस हत्या के बाद इलाके में तनावपूर्ण माहौल है, और मृतक के घर के बाहर हजारों लोगों की भीड़ जमा हो गई है। पुलिस हत्यारों की तलाश में जुटी है।

हत्या से पहले भी पुलिस ने की थी छानबीन

बताया जा रहा है कि हत्या से कुछ ही देर पहले जुआ खेलने की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची थी। पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया था, जिससे अजीत नाराज हुए थे। हालांकि, पुलिस ने उस व्यक्ति को छोड़ दिया और सबको जाने का निर्देश देकर वहां से लौट गई थी।

दीपावली की रात बाजार में मारी गई गोली

जिले के बनकटा थाना क्षेत्र के जंजीरहा गांव के निवासी और ग्राम प्रधान अजीत सिंह को सोहनपुर बाजार में देर रात गोलियों से भून दिया गया। उनके परिजनों का कहना है कि अजीत अकेले ही घर से निकले थे और दुर्गा मंदिर के पास कुछ लोगों के साथ जुआ खेल रहे थे। रात लगभग 11 बजे तीन हमलावर आए और उन पर गोलीबारी कर दी, जिससे अजीत की मौके पर ही मौत हो गई।

घटनास्थल से मिले कारतूस, हमलावर माने जा रहे प्रोफेशनल

बनकटा थानाध्यक्ष संतोष सिंह और सीओ भाटपार रानी शिव प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। पुलिस ने वहां से नाइन एमएम के कारतूस बरामद किए, जो हत्यारों के पेशेवर होने का संकेत देते हैं।

बॉर्डर इलाके में शराब तस्करी का था दबदबा

अजीत सिंह उर्फ जड़ी, जो तीन भाइयों में सबसे छोटे थे, ने बिहार में शराब बंदी के बाद शराब तस्करी में अपना सिंडीकेट खड़ा कर लिया था। स्थानीय युवाओं को जोड़कर वह इस धंधे का बड़ा नाम बन गए और इसी लोकप्रियता के चलते ग्राम प्रधान भी बन गए। अपनी सहायता और लोगों की मदद से उनकी छवि एक 'रॉबिनहुड' जैसी बन गई थी।

मुख्यमंत्री योगी ने जनता की समस्याओं को सुना, अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश

एजेंसी । गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान आमजन से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मामलों में त्वरित और संवेदनशीलता के साथ काम करें। साथ ही, शिकायतों का समयबद्ध और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

दीपावली के बाद जनता से संवाद

दीपावली का पर्व वनटांगिया समुदाय के साथ मनाने के बाद, मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात की। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने आमजन के प्रार्थना पत्र स्वीकार किए और संबंधित अधिकारियों को उनके समाधान के लिए निर्देश दिए। अपराध और जमीन कब्जे से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दबंगों और माफियाओं द्वारा गरीबों की जमीन पर कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में आर्थिक सहायता की मांग करने वाले नागरिकों को भरोसा दिलाया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जरूरतमंदों के इलाज का इस्टीमेट तैयार कर तुरंत सहायता उपलब्ध कराई जाए। आयुष्मान कार्ड से जुड़े लाभार्थियों को कोई असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देश दिए गए।

काशी का अनोखा अन्नकूट महोत्सव

एजेंसी । काशी

दिवाली के पर्व पर भव्य अनुष्ठान तीनों लोकों से अलग काशी में इस बार अन्नकूट महोत्सव की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। शहर के मंदिरों में अन्नकूट की झांकी सजाई जाएगी, जिसमें देवी-देवताओं को छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। इस वर्ष विशेष रूप से एक हजार क्विंटल मिठाइयों से अन्नकूट की झांकी सजाने की योजना है। श्री काशी विश्वनाथ धाम, अन्नपूर्णा मंदिर और मणिमंदिर जैसे प्रमुख मंदिरों में दो नवंबर को भव्य अनुष्ठान होगा।

मां अन्नपूर्णा का प्रसाद तिरुपति बालाजी तक

अन्नपूर्णा मंदिर में अन्नकूट की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, जिसमें 511 क्विंटल कच्चा-पक्का भोग तैयार किया गया है। महंत शंकर पुरी के अनुसार, इस बार भोग की मात्रा और संख्या को बढ़ाया गया है, ताकि देशभर के श्रद्धालुओं तक मां अन्नपूर्णा का प्रसाद पहुंच सके। तीन नवंबर को महंत तिरुपति बालाजी के लिए भी प्रसाद भेजा जाएगा।

बाबा विश्वनाथ का विशेष श्रृंगार

अन्नकूट के अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ का भव्य श्रृंगार होगा, जिसमें बाबा को छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। 21 क्विंटल प्रसाद चढ़ाने की योजना है, जिसमें अनेक मिठाइयां और व्यंजन शामिल होंगे। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के एसडीएम शंभूशरण सिंह ने बताया कि भोग आरती में बाबा की प्रतिमा को गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। धर्मसंघ स्थित मणिमंदिर में अन्नकूट महोत्सव के तहत पांच हजार घरों से तैयार भोग अर्पित किया जाएगा।

मणिमंदिर में अनुष्ठान का आयोजन

विश्व कल्याण के लिए मणिमंदिर में 11 दिवसीय अनुष्ठान का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अन्नपूर्णा स्तोत्र, श्रीसूक्त और कनक धारा के मंत्रों का एक लाख पाठ होगा। धर्मसंघ के महामंत्री पं. जगजीतन पांडेय ने बताया कि यह अनुष्ठान धन-धान्य और वैभव की कामना के लिए किया जा रहा है। कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा से लेकर एकादशी तक नियमित मंत्रों का जाप किया जाएगा, और अंतिम दिन हवन के साथ मंत्रों की पूर्णाहुति की जाएगी।

झारखंड चुनावों से पहले जेएलकेएम प्रमुख को बड़ा झटका

रिजवान क्रांतिकारी ने झामुमो का दामन थामा

एजेंसी । रांची

झारखंड चुनावों के समर में जेएलकेएम प्रमुख जयराम महतो को बड़ा झटका लगा है। उनके करीबी सहयोगी और भाषा आंदोलन के समर्थक रिजवान क्रांतिकारी उर्फ अकील अख्तर ने अपनी पार्टी छोड़कर झामुमो का हाथ थाम लिया है। गांडेय से जेएलकेएम के प्रत्याशी रिजवान ने जेएमएम उम्मीदवार कल्पना सोरेन के पक्ष में अपना नामांकन वापस लेने का निर्णय लिया है। गुरुवार को रांची में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रिजवान को झामुमो की सदस्यता दिलाई। रिजवान के पार्टी छोड़ने से जयराम महतो की स्थिति कमजोर हुई है। वह पार्टी के मुस्लिम चेहरे बन चुके थे, और अब जब नामांकन की समयसीमा समाप्त हो चुकी है, गांडेय विधानसभा सीट पर जेएलकेएम का कोई उम्मीदवार चुनावी मैदान में नहीं होगा। गांडेय विधानसभा सीट पर मुस्लिम प्रत्याशी देकर जयराम महतो ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को चुनौती दी थी, लेकिन रिजवान के झामुमो में शामिल होने से यह स्थिति बदल गई है। रिजवान चुनावी मैदान में होते तो मुस्लिम वोटों का बिखराव हो सकता था, जो झामुमो के लिए खतरे का संकेत था। कुछ समय पहले रिजवान पर टुंडी में अवैध वसूली का आरोप लगा था, जिसके बाद उन्हें पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष के पद से हटा दिया गया था। हालांकि, बाद में उन्हें निलंबन से मुक्त करते हुए पार्टी में फिर से शामिल किया गया था। अब उनकी नई राजनीतिक दिशा जयराम महतो के लिए चिंता का विषय बन गई है।

बक्सर में दिवाली की रात आगजनी की घटना

एजेंसी । बक्सर

बिहार के बक्सर जिले के महदह गांव में दिवाली की रात एक भयानक आगजनी की घटना घटित हुई। न्यू बक्सर फर्नीचर हाउस के मालिक संजय कुमार सिंह, जिन्हें ब्रजेश सिंह के नाम से जाना जाता है, ने बताया कि वे अपनी दुकान का फर्नीचर गांव में बने गोदाम में रखते हैं। दिवाली की शाम लगभग आठ बजे, गांव के बच्चों द्वारा छोड़े गए पटाखों की चिंगारी गोदाम में गिरी, जिससे आग लग गई। यह आग इतनी तेजी से फैल गई कि गोदाम में रखे विभिन्न कंपनियों के फर्नीचर को जलाने में अधिक समय नहीं लगा। जब अग्निशामक टीम को सूचना दी गई, तब तक लाखों रुपये का फर्नीचर जलकर खाक हो चुका था। संजय सिंह ने बताया कि फायर बिग्रेड की गाड़ियां जब पहुंचीं, तब सब कुछ जल चुका था और उनकी आर्थिक स्थिति पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। इस घटना ने ग्रामीणों को सदमे में डाल दिया है। स्थानीय प्रशासन ने इस अग्निकांड की जांच शुरू कर दी है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके। इस घटना ने सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए हैं, और सभी ने सावधानी बरतने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

व्यापार जगत

अक्टूबर में UPI लेनदेन ने तोड़ा रिकॉर्ड, 16.58 बिलियन ट्रांजैक्शन का आंकड़ा

UPI लेनदेन में वृद्धि का नया मील का पत्थर

एजेंसी । नई दिल्ली

अक्टूबर 2024 में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) ने नया कीर्तिमान स्थापित किया, जिसमें कुल 16.58 बिलियन लेनदेन हुए, जिनका कुल मूल्य 23.5 ट्रिलियन रहा। यह आंकड़ा अप्रैल 2016 में UPI की शुरुआत के बाद से अब तक का सबसे अधिक है। इससे पहले सितंबर में 15.04 बिलियन लेनदेन और जुलाई में 20.64 ट्रिलियन के मूल्य का रिकॉर्ड था।

त्योहारी सीजन का योगदान

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) के अनुसार, पर्सन-टू-मर्चेंट लेनदेन में वृद्धि हुई है, जिसका प्रमुख कारण त्योहारी सीजन है। अक्टूबर में UPI लेनदेन की संख्या ने पहली बार 16 बिलियन का आंकड़ा पार किया और कुल मूल्य 23 ट्रिलियन के पार चला गया। सितंबर के मुकाबले अक्टूबर में UPI लेनदेन में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि कुल मूल्य में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। अगस्त में UPI के माध्यम से 14.96 बिलियन लेनदेन हुए थे, जिनकी कुल कीमत 20.61 ट्रिलियन थी। अक्टूबर में UPI लेनदेन रोजाना 535 मिलियन की संख्या और 75,801 करोड़ के मूल्य तक पहुंच गया, जबकि सितंबर में यह आंकड़ा 501 मिलियन लेनदेन और 68,800 करोड़ से अधिक था। सालाना आधार पर, अक्टूबर में UPI लेनदेन की संख्या में 45 प्रतिशत और कुल मूल्य में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

IMPS और फास्टैग में भी उछाल

इमीडिएट पेमेंट सर्विस (IMPS) में अक्टूबर में 467 मिलियन लेनदेन दर्ज किए गए, जो सितंबर के 430 मिलियन से 9 प्रतिशत अधिक है। IMPS के मूल्य में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 5.65 ट्रिलियन से बढ़कर 6.29 ट्रिलियन हो गया। फास्टैग लेनदेन में भी वृद्धि देखी गई, जहां अक्टूबर में 345 मिलियन ट्रांजैक्शन हुए, जिनका कुल मूल्य 6,115 करोड़ रहा।

आधार सक्षम पेमेंट सिस्टम (AePS) में मजबूती

अक्टूबर में आधार सक्षम पेमेंट सिस्टम (AePS) पर 126 मिलियन लेनदेन हुए, जो सितंबर के 100 मिलियन से 26 प्रतिशत अधिक हैं। कुल मूल्य भी 24,143 करोड़ से बढ़कर 32,493 करोड़ तक पहुंच गया, जो 35 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

प्रवीणा राय बनीं एमसीएक्स की नई सीईओ

नवीनतम नेतृत्व में बदलाव

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रवीणा राय ने 31 अक्टूबर को प्रमुख जिंस सूचकांक, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया है। एमसीएक्स ने शुक्रवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी। उनका कार्यकाल पांच वर्षों का होगा।

पी.एस. रेड्डी का स्थान

राय ने पी.एस. रेड्डी का स्थान लिया है, जिनका पांच साल का कार्यकाल मई 2024 में समाप्त होगा। प्रवीणा राय के एमसीएक्स में शामिल होने से पहले, वे भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) में सीईओ के रूप में कार्यरत थीं, जहां उन्होंने विपणन, व्यवसाय विकास, उत्पाद प्रबंधन और परिचालन रणनीति में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

विशेषज्ञता और अनुभव

राय एक अनुभवी बैंकिंग पेशेवर हैं और एचएसबीसी में एशिया प्रशांत क्षेत्र के लिए भुगतान के क्षेत्रीय प्रमुख के रूप में कार्य कर चुकी हैं। एमसीएक्स, भारत का सबसे बड़ा जिंस डेरिवेटिव एक्सचेंज, अब प्रवीणा राय के नेतृत्व में नए आयाम छूने की उम्मीद कर रहा है।

अडानी पोर्ट्स के मजबूत तिमाही नतीजों से शेयर पर ब्रोकरेज की सकारात्मक राय

शेयर पर बाय रेटिंग और टारगेट प्राइस 1780 रुपए

एजेंसी । नई दिल्ली

गौतम अडानी समूह की कंपनी अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) के शानदार तिमाही नतीजों के बाद, एक्सपर्ट्स इस शेयर के प्रति सकारात्मक नजरिया रख रहे हैं। घरेलू ब्रोकरेज मोतीलाल ओसवाल ने इस शेयर पर 'बाय' रेटिंग दी है, जिसका मतलब है कि निवेशकों को इसे खरीदने की सलाह दी गई है। ब्रोकरेज ने इस शेयर का टारगेट प्राइस 1780रुपए निर्धारित किया है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने बताया कि अडानी पोर्ट्स ने मजबूत कैश फ्लो जनरेट करते हुए बाजार हिस्सेदारी हासिल करने में सफलता प्राप्त की है। ब्रोकरेज ने अपने FY26/27 के अनुमान को बनाए रखते हुए, कंपनी की FY24-27 के दौरान कार्गो वॉल्यूम में 10% वृद्धि का अनुमान लगाया है। इससे राजस्व, EBITDA और PAT में FY24-27 के दौरान क्रमशः 15%, 15% और 21% का CAGR बढ़ने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में, अडानी पोर्ट्स का मुनाफा 37% बढ़कर 2413.54 करोड़रुपए हो गया है, जो कि पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 1762 करोड़ रुपए था। कंपनी की कुल आय भी बढ़कर 7372.37 करोड़रुपए हो गई, जबकि पिछले साल की इसी तिमाही में यह 6951.86 करोड़रुपए थी। इस दौरान कंपनी का कुल व्यय 4433.96 करोड़रुपए रहा, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 4477 करोड़ रुपए था। शेयर की पिछली क्लोजिंग 1376.70रुपए रही, जो एक दिन में 1.45% की गिरावट दर्शाती है। यह शेयर जून 2024 में 1607.95रुपए के 52 हफ्ते के उच्चतम स्तर पर पहुंचा था, जबकि नवंबर 2023 में इसका निचला स्तर 767.55 रुपए था।

टाटा मोटर्स की बिक्री में अक्टूबर में मामूली गिरावट

एजेंसी । नई दिल्ली

टाटा मोटर्स लिमिटेड की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बिक्री अक्टूबर 2024 में हल्की कमी के साथ 82,682 इकाई रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह संख्या 82,954 इकाई थी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि अक्टूबर 2024 में कुल घरेलू बिक्री बढ़कर

80,839 इकाई हो गई, जो पिछले साल की इसी अवधि में 80,825 इकाई थी। इलेक्ट्रिक वाहनों समेत कुल यात्री वाहनों (पीवी) की बिक्री भी गिरकर 48,423 इकाई रह गई, जो अक्टूबर 2023 में 48,637 इकाई थी। टाटा मोटर्स ने कहा कि घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री अक्टूबर 2024 में घटकर 48,131 इकाई रह गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 48,337 इकाई थी। वाणिज्यिक वाहनों की कुल बिक्री भी घटकर 34,259 इकाई हो गई, जो कि अक्टूबर 2023 में 34,317 इकाई थी।

स्विगी आईपीओ 6 नवंबर से खुलेगा.. निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी;

एजेंसी । नई दिल्ली

स्विगी का आईपीओ 6 नवंबर को खुल रहा है, और रिटेल निवेशकों को इस पर दांव लगाने के लिए 8 नवंबर तक का अवसर मिलेगा। हालांकि, ग्रे मार्केट में आईपीओ की स्थिति ने निवेशकों की चिंताएं बढ़ा दी हैं, जिससे निवेशकों के मन में कुछ अनिश्चितता है। इनवेस्टर्स गेन

की रिपोर्ट के अनुसार, स्विगी का आईपीओ ग्रे मार्केट में 18 रुपए के प्रीमियम पर बिक रहा है। वर्तमान जीएमपी को देखते हुए, स्विगी के आईपीओ की लिस्टिंग लगभग 5 प्रतिशत के आस-पास होने की उम्मीद है, जो निवेशकों के लिए उत्साहजनक संकेत नहीं है। अब तक ग्रे मार्केट में सबसे अधिक जीएमपी 2 रुपए दर्ज किया गया है। स्विगी के आईपीओ का प्राइस बैंड 371 रुपए से 390 रुपए प्रति शेयर रखा गया है। एक लॉट में 38 शेयर होंगे, जिसका मतलब है कि निवेशकों को कम से कम 14,820 रुपए का दांव लगाना होगा। कंपनी का शेयर अलॉटमेंट 11 नवंबर को होगा, जबकि बीएसई और एनएसई पर लिस्टिंग 13 नवंबर को प्रस्तावित है। कंपनी ने अपने कर्मचारियों को एक शेयर पर 25 रुपए का डिस्काउंट भी दिया है। स्विगी का आईपीओ 11,327.43 करोड़ रुपए का है, जिसमें कंपनी 11.54 करोड़ नए शेयर जारी करेगी। ऑफर फॉर सेल के तहत 17.51 करोड़ शेयर भी पेश किए जाएंगे। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए कम से कम 75 प्रतिशत शेयर आरक्षित हैं, जबकि रिटेल निवेशकों के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत और नॉन इंस्टीट्यूशनल निवेशकों के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रहेगा।

रवींद्र और वाशिंगटन ने न्यूजीलैंड की पारी 235 पर समेटी, टीम इंडिया ने दिन के अंतिम दो ओवर में आठ गेंद में गंवा दिए तीन विकेट

जडेजा-सुंदर की कमाई बल्लेबाजों ने लुटाई

नंबर गेम

- 4 विकेट चटकाए सुंदर ने 4 .33 की इकोनॉमी से 81 रन देकर
- 14वीं बार जडेजा ने करियर में पांच विकेट चटकाए

दोपहर संवाददाता । मुंबई

रवींद्र जडेजा (65/5) और वाशिंगटन सुंदर (81/4) ने तीसरे और अंतिम टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को अपनी फिरकी का कमाल दिखाकर न्यूजीलैंड को 235 रन पर समेट कर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। पर उनकी मेहनत पर बल्लेबाजों ने पानी फेर दिया। अंतिम दो ओवर में और आठ गेंद के भीतर टीम ने तीन विकेट गंवा दिए। इससे टीम इंडिया का स्कोर चार विकेट पर 86 रन हो गया। टीम अभी कीवियों से 149 रन पीछे है। स्टंप के समय शुभमान गिल 31 के साथ ऋषभ पंत एक रन बनाकर क्रीज पर थे। टीम इंडिया को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए यह मैच जीतना जरूरी है।

रोहित फिर फ्लॉप

बल्लेबाजों के इस तरह जल्दी जल्दी आउट होता देख साफ दिख रहा है कि उनका आत्मविश्वास कम हो रहा है। रोहित(18) भी उपयोगी पारी खेले बिना आउट हो गए। वानखेड़े स्टेडियम में अपने घरेलू मैदान पर दूसरा टेस्ट खेल रहे रोहित ने कुछ आकर्षक शॉट लगाकर तेज शुरुआत की। उन्हें जीवनदान भी मिला पर जब विलियम ने फाइन लेग पर हेनरी की गेंद पर उन्हें आउट करने का मौका गंवा दिया। सातवें ओवर में रोहित गेंद की उछाल से हैरान दिखे और गेंद दूसरी स्लिप में खड़े लैथम के पास चली गई।

गिल-यशस्वी की साझेदारी

रोहित के आउट होने के बाद गिल क्रीज पर उतरे और उन्होंने यशस्वी के साथ पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 53 रन जोड़े। एजाज ने यशस्वी की गिल्लियां बिखेरकर इस साझेदारी का अंत किया। कोहली (4) पहले दिन के खेल के अंतिम चरण में रन आउट हो गए। इससे भारत को करारा झटका लगा।

डेरिल-विल के पचासे

इससे पहले भारतीय स्पिनरों ने दबदबा बनाते हुए नौ विकेट झटके। सुंदर ने न्यूजीलैंड के कप्तान लैथम (28), फॉर्म में चल रहे रचिन (5), डेरिल (82) और एजाज (7) को पवेलियन भेजा। जडेजा ने विल (71), ब्लंडेल (0), फिलिप्स (17), सोढी (7) और हेनरी (0) को आउट किया।

विल का आठवां अर्धशतक

भारत के लिए सुबह के सत्र में स्पिनर सुंदर ने दो विकेट चटकाए। लेकिन लंच के बाद न्यूजीलैंड ने मजबूती से वापसी की। विल और डेरिल ने स्पिनरों को सहजता से खेला और लगातार स्वीप और रिवर्स स्वीप लगाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 87 रन की साझेदारी निभाई। विल ने सुंदर को छक्का लगाकर अपना आठवां अर्धशतक पूरा किया। तेज गर्मी और उमस के बीच विल की एकाग्रता टूटी और जडेजा ने उन्हें पहली स्लिप में रोहित के हाथों लपकवाया। उन्होंने ब्लंडेल को खाता भी नहीं खोलने दिया। इसके बाद फिलिप्स भी नहीं टिक सके।

इशांत से आगे निकले जडेजा

जडेजा टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले पांचवें भारतीय बन गए हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 विकेट लेने जहीर खान (311) और इशांत शर्मा (311) को पीछे छोड़ दिया। बाएं हाथ के 35 वर्षीय स्पिनर जडेजा 77 मैचों में 2.52 की इकोनॉमी से 314 विकेट चटका चुके हैं। अब उनसे आगे कुंबले (619), अश्विन (533), कपिल (434) और हरभजन (417) ही हैं।

सुदर्शन और पडिक्कल ने भारत ए को संभाला

- 178 रन की अटूट साझेदारी तीसरे विकेट के लिए निभा चुके हैं सुदर्शन और पडिक्कल

एजेंसी । मैके

तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और प्रसिद्ध कृष्णा की उम्दा गेंदबाजी के साथ साइ सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल ने नाबाद अर्धशतकीय पारियां खेलकर भारत ए को संभाला। इससे भारत ए टीम ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अनधिकृत टेस्ट के दूसरे दिन शुक्रवार को दूसरी पारी में दो विकेट पर 208 रन बनाकर 120 रन की बढ़त बना ली है। भारत ए की शुरुआत दूसरी पारी में भी खराब रही। कप्तान रुतुराज पांच रन बनाकर और ओपनर अभिमन्यु ईश्वरन 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद सुदर्शन (96) और पडिक्कल (80) तीसरे के लिए अटूट 178 रन जोड़ चुके हैं। सुदर्शन अपने सातवें प्रथम श्रेणी शतक से चार रन दूर हैं।

इससे पहले चार ऑस्ट्रेलिया ने विकेट पर 99 रन से आगे खेलते हुए 195 रन बनाए। नाथन मैकस्वीनी (39) और कूपर कोनोली (37) ने पांचवें विकेट के लिए 51 रन जोड़े। पहले दिन दो विकेट लेने वाले मुकेश ने कोनोली को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा।

वेस्टइंडीज की जीत में चमके मोती और लुईस

एजेंसी । एंटीगा

इविन लुईस (94) की पारी से वेस्टइंडीज ने वर्षाबाधित पहले एक वनडे में इंग्लैंड को डकवर्थ लुईस पद्धति से आठ विकेट से पराजित किया। इंग्लैंड की टीम 45.1 ओवर में 209 रन पर आउट हो गई। उसके लिए पहली बार कप्तानी कर रहे लियाम लिविंगस्टोन ने 48, सैम करेन ने 37 और जैकब ने 27 रन बनाए। विंडीज के लिए गुडाकेश मोती ने चार विकेट झटके।

हांगकांग सिक्सेस में पाकिस्तान से हारा भारत

एजेंसी । हांगकांग

भारत गेंदबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण शुक्रवार को यहां हांगकांग सिक्सेस क्रिकेट टूर्नामेंट के अपने शुरुआती मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से छह विकेट से हार गया। भरत चिपली ने रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटने से पहले 16 गेंद में 53 रन की तूफानी पारी खेली जिससे भारत ने निर्धारित छह ओवर में 119 रन बनाए। भारतीय कप्तान रॉबिन उथप्पा ने भी आठ गेंदों पर 31 रन का योगदान दिया। लेकिन भारतीय गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने शुरू से ही दबदबा बनाए रखा और एक ओवर शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर दिया। पाकिस्तान की जीत में आसिफ अली ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 14 गेंद पर 55 रन बनाकर जीत की नींव रखी।

मुंबई के मैदानों से

आदित्य और सारा अव्वल

दोपहर संवाददाता । मुंबई

सीसीआई टेबल टेनिस हॉल में खेले जा रहे सीसीआई 5 स्टॉर मुंबई शहर जिला टेबल टेनिस चैंपियनशिप में आदित्य दलाल और सारा जामसुटकर क्रमशः बॉयज अंडर-15 और गर्ल्स अंडर-15 के वर्ग में अव्वल रहे। लड़कों के फाइनल में आदित्य ने जेहान कोलाह के खिलाफ खेलते हुए जोरदार प्रदर्शन किया और मैच को 11-7, 11-8, 5-11, 11-4 से जीत दर्ज की। लड़कियों का फाइनल सारा जामसुटकर के बीच खेला गया, जिसमें सारा 11-6, 11-9, 6-11, 11-5 से बाजी मारने में सफल रहीं। इसके अलावा गर्ल्स अंडर-11 के वर्ग के फाइनल में स्वरा गुडेकर ने अनैशा अभ्यंकर को 11-7, 11-3, 11-6 से, बॉयज अंडर-11 के फाइनल में युवान सिंह वालिया ने याशन कोलाह को 8-11, 4-11, 11-9, 11-9, 12-10 से, गर्ल्स अंडर-13 के फाइनल में नायरा लोढ़ा ने अवन्तिका आहुजा को 11-8, 11-13, 12-10, 11-3 से और बॉयज अंडर-13 के फाइनल में कुश केजरीवाल ने अखिल कम्पानी को 11-6, 11-9, 11-7 से हराया और चैंपियन होने का गौरव प्राप्त किया।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी: टीम इंडिया नहीं खेलेगी 'ए' टीम से अभ्यास मैच

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत ने आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले 'ए' टीम के साथ तीन दिवसीय मैच रद्द कर दिया है। टीम प्रबंधन अतिरिक्त नेट अभ्यास पर फोकस करना चाहता है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगा। भारतीय टीम 15 से 17 नवंबर के बीच पर्थ में रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली भारत ए टीम से अभ्यास मैच खेलने वाली थी। भारत ए टीम फिलहाल अनधिकृत टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया में है। मुख्य कोच गौतम गंभीर और कुछ सीनियर खिलाड़ी नेट पर अधिक समय बिताना चाहते हैं। रोहित की टीम न्यूजीलैंड से घरेलू सीरीज हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया जाएगी। ऑस्ट्रेलिया में लगातार तीसरी टेस्ट सीरीज जीतने का लक्ष्य लेकर जाने वाली भारतीय टीम पर अतिरिक्त दबाव होगा। क्योंकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह भी दाव पर लगी है। समझा जाता है कि वाका की पिच पर्थ स्टेडियम की पिच की तरह है लिहाजा शीर्षक्रम के बल्लेबाज पिच पर अधिक समय बिताना चाहेंगे।

सिंघम अगेन में स्टार्स का मेला फिर भी नहीं बना पाए माहौल

- फिल्म : सिंघम अगेन
- कलाकार : अजय देवगन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, करीना कपूर खान, टाइगर श्रॉफ, जैकी श्रॉफ और अर्जुन कपूर
- निर्देशक : रोहित शेट्टी
- निर्माता : अजय देवगन , ज्योति देशपांडे और रोहित शेट्टी
- रेटिंग : 2/5

2/5

@लोकेश चंद्रा

रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की फिल्म 'सिंघम अगेन' साल 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्म है। फाइनली ये मूवी आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। अजय देवगन, करीना कपूर, अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ और रणवीर सिंह जैसे तमाम सितारों से सजी यह फिल्म स्टार पावर और एड्रेनालाईन-पंपिंग एक्शन से भरपूर है। वहीं चुलबुल पांडे के किरदार में सलमान खान से सरप्राइजिंग कैमियो ने दर्शकों को खुश कर दिया है। ऐसे में फिल्म की रिलीज के साथ ही 'सिंघम अगेन' का पहला रिव्यू भी आ गया है।

कहानी

ट्रेलर में ही कहानी बता दी गई थी, सिंघम की पत्नी करीना कपूर का किडनैप हो जाता है। जैसे रामायण में रावण सीता माता को उठा ले गया था ठीक वैसी है, ऐसा फिल्म में दिखाया गया है। रामायण के रेफरेंस लिए गए हैं और श्रीराम ने तो आपको पता ही है क्या किया था। वही सिंघम करते हैं, अर्जुन कपूर की लंका से अपनी पत्नी को बचाते हैं और इसमें उनका साथ देते हैं वो सारे सितारे जो आपको रोहित शेट्टी की फिल्मों में दिख चुके हैं। कहानी पहले से ही ट्रेलर में दिखा दी गई थी तो इसमें कोई स्पॉयलर नहीं है।

एक्टिंग

अजय देवगन ठीक लगे हैं, उन्हें सिंघम के तौर पर हम पहले भी देख चुके हैं। दीपिका पादुकोण ट्रेलर जैसी ही लगती हैं, उनका रोल भी बस ट्रेलर से थोड़ा सा ज्यादा है। टाइगर श्रॉफ ने ये फिल्म शायद इसलिए कर ली कि इसमें इतने सारे सितारे हैं, वर्ना उनके लिए इसमें कुछ है नही। रणवीर सिंह जरूर हंसाते हैं और वही इस फिल्म को सहने की ताकत देते हैं। अर्जुन कपूर ठीक लगते हैं, एक्टिंग जायदा दमदार नहीं है। खौफ पैदा करने की कोशिश उन्होंने अच्छी की है लेकिन उतना खौफ पैदा हो नहीं पाया। अक्षय कुमार सूर्यवंशी के किरदार हैं और उनकी एक्टिंग हम सूर्यवंशी में देख चुके हैं। यहां भी वैसी ही है, करीना कपूर भी कुछ खास इम्प्रेस नहीं कर पाई।

डायरेक्शन

इस बार रोहित शेट्टी का डायरेक्शन एवरेज रहा। उनकी फिल्मों में कई सीटीमार सीन होते हैं, लोग तालियां बजाते हैं, यहां ऐसा नहीं हुआ। ऐसा लगा कि बड़ी आसानी से विलेन मारा गया, कोई बड़ा ट्विस्ट नहीं आया, इतने सारे सितारों को लेने की बजाय स्क्रिप्ट और स्क्रीनप्ले पर काम करना चाहिए था। कुल मिलाकर ये एक एवरेज फिल्म है जिसमें कुछ नया नहीं है, बस सितारों को पर्दे पर मार धाड़ करनते देखने का शौक हो तो देख लीजिए।

कैसी है फिल्म

इस फिल्म को आप सिंघम अगेन का ढाई घंटे का ट्रेलर कह सकते हैं। ओपनिंग सीन बड़ा एवरेज है, अजय देवगन की एंट्री उसी घिसे पिटे स्टाइल में होती है। इससे बढ़िया एंट्री तो फूल और कांटे में हुई थी उनकी और इससे बढ़िया एंट्री तो फिल्म में अर्जुन कपूर की होती है। पहले वाली सिंघम अच्छी थी, इसलिए दिल को छू गई थी। यहां बेकार के मसाले डाले गए हैं, जबरदस्ती सितारे ढूंसे हुए लगते हैं। कुछ तो बस ट्रेलर जितने ही हैं, रामायण से फिल्म की कहानी को जोड़ा गया है जिसकी कोई जरूरत नहीं थी। हर चीज में राम नाम का सहारा क्यों लेना, अब ये कहेंगे कि इसी बहाने रामायण की कुछ बातें पता चल जाएंगी तो ये जस्टिफाई नहीं होगा। अगर किसी को रामायण समझनी है तो और भी तरीके हैं वो रोहित शेट्टी की फिल्म क्यों देखेगा। यहां एक्शन सीन भी ठीक ठाक है, कुछ सीन काफी फनी लगते हैं। कुछ डायलॉग काफी अच्छे लगते हैं, कुल मिलाकर अगर सितारों का स्टाइल और स्वैग देखना है तो आप देख सकते हैं। रणवीर सिंह हंसाते हैं, उनकी कॉमिक टाइमिंग अच्छी है, सलमान खान का एंड में केमियो भी असरदार नहीं लगता है और ऐसा क्यों ये आपको फिल्म देखकर पता चलेगा।

भूल कर भी न देखें भूल भुलैया 3

बे सिर पैर की है हॉरर कॉमेडी

- मूवी : भूल भुलैया 3
- कलाकार : कार्तिक आर्यन, विद्या बालन, माधुरी दीक्षित, तृप्ति डिमरी
- निर्माता : टी सीरीज और सिने वन स्टूडियोज
- रेटिंग : 2/5

@लोकेश चंद्रा

हॉरर कामेडी फिल्म के कलेक्शन के मामले में स्त्री 2 ने छह सौ करोड़ से ज्यादा की कमाई करके इतिहास रच दिया है। ऐसे में उसके सामने टिकने के लिए इस जॉनर की फिल्मों को कमर कसने की जरुरत थी। भूल भुलैया 3 इस मामले में भूली भटकी साबित हुई। साल 2007 में जब प्रियदर्शन ने भूल भुलैया के जरिए हारर कॉमेडी का जॉनर दर्शकों को दिया था, तो उन्हें भी नहीं पता था कि आगे चलकर इस लीग में फिल्में बनाना आसान नहीं होगा। कल्ट फिल्मों को बनाने में मेहनत लगती है, लेकिन खराब करने में नहीं।

2/5

निर्देशक : अनीस बज्मी
लेखक : आकाश कौशिक

एक्टिंग

अभिनय की बात करें, तो कार्तिक आर्यन अपने चिर-परिचित अंदाज में थे। कहीं-कहीं वह प्यार के पंचनामा वाले जोन में भी चले गए। हालांकि क्लाइमेक्स में वह चौंकाते हैं। 17 साल बाद मोजोलिका की भूमिका में लौटी विद्या बालन को डर था कि कहीं यह रोल मूल फिल्म जैसा आइकोनिक न हुआ, तो क्या होगा। उनका डर सही था। माधुरी दीक्षित अपने अनुभव और नृत्य से फिल्म को संभालती दिखाई देती हैं।

विद्या और माधुरी का डांस बर्बाद होते टिकट के पैसों को थोड़ा बहुत वसूलने का धैर्य देती है। छोटे पंडित के रोल में राजपाल यादव निराश करते हैं। फिल्म में शाह रुख खान की फिल्म जवान के रोल में उनका आना कोई हास्य पैदा नहीं करता है। अच्छी अभिनेत्री होने के बावजूद तृप्ति डिमरी केवल शोपीस साबित होती है। बार्डर के गाने संदेशे आते हैं... का प्रयोग जिस तरह से किया गया है, उसे देखकर दुख होता है। जरुरत से ज्यादा मंहगे टिकटों के दाम बुरी फिल्म को देखने का दुख और बढ़ा देते हैं।

कहानी

रूह बाबा और दो-दो मंजुलिका मिलकर स्त्री 2 का मुकाबला नहीं कर पाए। रूह बाबा उर्फ रूहान (कार्तिक आर्यन) का भूतों का पकड़ने का ढोंग करना जारी है। राजघराने से ताल्लुक रखने वाली मीरा (तृप्ति डिमरी) और उसके मामा (राजेश कुमार) रूहान को कहते हैं कि वो उनके साथ रक्त घाट चले, इसके लिए वह उसे एक करोड़ रूपये देंगे। रक्त घाट की हवेली के एक कमरे में मंजुलिका का भूत कैद है। 200 साल पहले जब उसे कैद किया गया था, तब भविष्यवाणी की गई थी कि उसी राजघराने से कोई पुर्नजन्म लेकर दरवाजा खोलकर दुर्गाष्टमी के दिन उसका खात्मा करेगा। रूह बाबा की शक्ल उस वक्त के राजकुमार देवेंद्र नाथ से मिलती है। राजपुरोहित (मनीष वाधवा) का मानना है कि राजकुमार का पुनर्जन्म हुआ है। खैर, मंजुलिका उर्फ मल्लिका (विद्या बालन) के बाद कहानी में अंजोलिका उर्फ मंदिरा (माधुरी दीक्षित) की भी एंट्री होती है। फिर कहानी के क्लाइमेक्स में जो ट्विस्ट आता है, वह आपका सिर चकरा देगा।

डायरेक्शन

क्लाइमेक्स देखने के बाद जब आप पीछे जाकर चीजों को जोड़ना चाहेंगे कि मंजुलिका जो कर रही थी, वो कैसे और क्यों कर रही थी, तो हर सवाल के जवाब नहीं मिलेंगे, जैसे जब खुफिया दरवाजे के पीछे कैद आत्मा बाहर निकली ही नहीं, तो मल्लिका का निशाना इतना सटीक कैसे लगा या अंत में मंजुलिका उर्फ मल्लिका के हाथों में जब रूह बाबा की गर्दन होती है और वह दिव्य तेल से घेरा बनाकर जब वह आग लगा देता है, तो उसकी आत्मा बाहर मौजूद अंजोलिका उर्फ मंदिरा के भीतर कैसे आती है।

फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और संवाद लिखने वाले आकाश कौशिक की कोशिश अच्छी थी, लेकिन कई जगहों पर बिना लॉजिक के सीन और कॉमेडी ने सारा मजा किरकिरा कर दिया। ट्रेलर में जितने जोक्स दिखाए थे, मजाल है कि उसके अलावा कोई और जोक फिल्म में हो। जॉनर को ध्यान में रखकर हंसने और डरने की बड़ी कोशिशें की, लेकिन सारी कोशिशें नाकाम साबित हुई।

अनीस बज्मी का निर्देशन भूल भुलैया 3 से कमजोर साबित हुआ। कार्तिक और तृप्ति के बीच बिना वजह का रोमांस और गाना कहानी को और खराब करने में पेट्रोल का काम कर रहा था। आमी जे तोमार... और हरे राम हरे राम... इन दो गानों के भरोसे ही यह फ्रेंचाइज भी रही। नए गानों की भारी कमी महसूस हुई।

बाग़ी उम्मीदवारों ने बढ़ाया पार्टियों का सिरदर्द

विश्लेषण
अमित बृज

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बागी उम्मीदवारों की संख्या और उनके बढ़ते हौसले ने प्रमुख राजनीतिक दलों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। इस बार चुनावी मैदान में छह प्रमुख पार्टियों के अलावा तीसरे मोर्चे और कई निर्दलीय उम्मीदवार भी शामिल हैं, जो चुनाव में दिलचस्प मोड़ ला सकते हैं। प्रमुख दलों से समय पर टिकट न मिलने या पसंद का क्षेत्र न मिलने पर कई नेताओं ने निर्दलीय या बागी के रूप में चुनाव लड़ने का फैसला किया है। शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस के दोनों गुट, भाजपा, कांग्रेस, वंचित बहुजन अघाड़ी, और मनसे के अधिकृत उम्मीदवारों को बागियों की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। जैसे कि मुंबई से बीजेपी के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने भी बागी के रूप में चुनाव लड़ने की तैयारी की है, जो यह दर्शाता है कि पार्टी के भीतर असंतोष का माहौल है। 1995 के चुनाव का उदाहरण लेते हुए, एनसीपी (अजित पवार गुट) के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने बताया कि उस समय भी बागी उम्मीदवारों की बड़ी संख्या ने चुनाव परिणामों पर गहरा असर डाला था।

क्या हुआ था 1995 के विधानसभा चुनाव में?

महाराष्ट्र के 1995 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और शिवसेना-भाजपा गठबंधन के बीच कड़ा मुकाबला हुआ था, जिसमें बागी निर्दलीय उम्मीदवारों की अहम भूमिका थी। इस चुनाव में 3,196 निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा, और उनमें से 45 ने जीत हासिल की थी। इनमें अधिकांश निर्दलीय कांग्रेस पार्टी के बागी थे, जो टिकट न मिलने पर पार्टी से असंतुष्ट होकर मैदान में उतरे थे। वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र साठे के अनुसार, 1995 में बागियों की जीत की दर सबसे अधिक थी। 1990 के चुनाव में भी 13 बागी उम्मीदवार सफल रहे थे, लेकिन 1995 में यह संख्या काफी बढ़ गई। इस चुनाव में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा, और वह 286 सीटों में से केवल 80 पर ही जीत सकी, जबकि शिवसेना और भाजपा ने कुल 138 सीटों पर जीत दर्ज कर पहली गैर-कांग्रेसी सरकार बनाई। शिवसेना ने 73 और भाजपा ने 65 सीटें जीतीं, और दोनों पार्टियों की सीटों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। इस गठबंधन को सरकार बनाने के लिए चुने गए 45 निर्दलीयों में से 14 का समर्थन लेना पड़ा था, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि बागी उम्मीदवार सत्ता समीकरणों में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

2024 में क्या तस्वीर है

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में राजनीतिक हालात काफी जटिल और प्रतिस्पर्धी हो गए हैं, जहां विभिन्न दलों को बगावतों का सामना करना पड़ रहा है। महाविकास अघाड़ी, जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और एनसीपी (शरद पवार) शामिल हैं, के उम्मीदवारों को अपने दल के अंदर से असंतोष का सामना करना पड़ रहा है। दूसरी ओर, महायुति में बीजेपी, शिवसेना (शिंदे गुट) और एनसीपी (अजीत पवार) के उम्मीदवारों को भी बगावतों का सामना करना पड़ सकता है। इस चुनाव में 'परिवर्तन महाशक्ति' नामक एक नया तीसरा गठबंधन भी सक्रिय हो गया है, जिसमें संभाजीराजे छत्रपति, राजू शेट्टी और बच्चू कडू जैसे नेता शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) और वंचित बहुजन अघाड़ी भी अपने उम्मीदवार मैदान में उतार चुकी हैं। चुनाव में असंतुष्ट बागी उम्मीदवारों का निर्दलीय के तौर पर उतरना राजनीतिक समीकरणों को बदल सकता है। कई क्षेत्रों में एक ही गठबंधन के विभिन्न दलों द्वारा नामांकन दाखिल किए जाने से स्थिति और भी जटिल हो गई है। इससे यह देखना रोचक होगा कि ये दल अपने अंदर की दरारों को कैसे पाटते हैं और असंतुष्टों को कैसे साधते हैं।

शिवसेना बनाम शिवसेना तो एनसीपी बनाम एनसीपी की लड़ाई

असली बनाम नकली का चुनाव

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में इस बार असली और नकली की बहस ने सियासी गर्मी बढ़ा दी है। एनडीए (महायुति) और इंडिया गठबंधन (महा विकास अघाड़ी) के बीच मुख्य मुकाबले में शिवसेना और एनसीपी के विभाजन ने राजनीतिक समीकरण को और पेचीदा बना दिया है। शिवसेना के दो धड़े—एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में—जबकि एनसीपी में शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार का नेतृत्व—सवाल खड़े कर रहा है कि असली पार्टी कौन है। इंडिया गठबंधन का नेतृत्व उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उद्धव गुट) और शरद पवार की एनसीपी कर रहे हैं, जबकि एनडीए में एकनाथ शिंदे और अजीत पवार क्रमशः शिवसेना और एनसीपी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव चिन्ह और नाम को लेकर विवादों का फैसला देते हुए शिंदे गुट को शिवसेना और उनके 'धनुष-बाण' चुनाव चिन्ह का अधिकार दिया है, वहीं अजीत पवार के एनसीपी धड़े को भी मान्यता दी गई है। राजनीति में "असली" और "नकली" के इस संघर्ष का असर चुनावी रणनीति पर भी पड़ा है। शिंदे गुट जहां खुद को असली शिवसेना के रूप में प्रचारित कर रहा है, वहीं उद्धव गुट इसे "पार्टी की विचारधारा से विश्वासघात" बता रहा है। एनसीपी में अजीत पवार और शरद पवार के बीच भी यही विचारधारा की टकराहट है, जो महाराष्ट्र की जनता के बीच भ्रम और असमंजस का कारण बन रही है। इस बार के चुनाव परिणाम यह तय करेंगे कि कौन सा धड़ा जनता का असली प्रतिनिधि बनता है और महाराष्ट्र की राजनीति में उसकी वैधता कितनी है।

विचार
अरुण लाल

शिवसेना बनाम शिवसेना का लड़ाई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन के तहत एकनाथ शिंदे की शिवसेना 82 सीटों पर चुनावी मैदान में है। इनमें से 47 सीटें विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, जहां शिंदे गुट का सामना उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) से है। इन सीटों में क्षेत्रवार मुकाबला दिलचस्प बना हुआ है, क्योंकि मुंबई क्षेत्र में 16, कोंकण में 18, मराठवाड़ा में 7, और शेष सीटें विदर्भ, पश्चिम महाराष्ट्र, और उत्तर महाराष्ट्र में हैं। इन 47 सीटों पर शिवसेना के दोनों गुटों के बीच असली और नकली शिवसेना के मुद्दे पर सीधा टकराव हो रहा है। इसके अलावा, बाकी 35 सीटों पर शिंदे गुट के प्रत्याशियों का मुकाबला कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी से हो रहा है। शिवसेना के दो धड़ों के बीच हो रही यह लड़ाई सिर्फ सीटों की नहीं, बल्कि पार्टी की असली पहचान और विरासत को लेकर है। चुनाव परिणामों से यह तय होगा कि मतदाता किस गुट को असली शिवसेना मानते हैं और किसे महाराष्ट्र की राजनीति में अपनी आवाज के रूप में चुनते हैं।

शिवसेना बंटवारे के बाद दूसरा चुनाव

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में यह दूसरा मौका है जब शिवसेना के विभाजन के बाद शिवसेना का मुकाबला शिवसेना से हो रहा है। लोकसभा चुनाव में मुंबई की तीन सीटों—मुंबई दक्षिण, मुंबई दक्षिण मध्य और उत्तर पश्चिम—पर शिंदे गुट ने उद्धव ठाकरे गुट के खिलाफ चुनाव लड़ा था, लेकिन सिर्फ एक सीट पर जीत हासिल कर सका। अब विधानसभा चुनाव में शिंदे की शिवसेना और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) के बीच 47 सीटों पर सीधा मुकाबला है, जिनमें मुंबई की 10, पुणे की 2, और कल्याण की 3 सीटें शामिल हैं। इनमें कुछ प्रमुख सीटें भी हैं, जैसे वर्ली और कोपरी-पचपाखड़ी। वर्ली सीट पर आदित्य ठाकरे का मुकाबला मिलिंद देवड़ा से है, जो काफी हाई-प्रोफाइल सीट मानी जा रही है। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सीट कोपरी-पचपाखड़ी पर शिवसेना (यूबीटी) ने उनके गुरु आनंद दिघे के भतीजे केदार दिघे को उतारकर चुनौती दी है।

हर सीट पर होगी कड़ी टक्कर

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शिवसेना और शिवसेना (यूबीटी) के बीच मुकाबला राज्य के कई प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में केंद्रित है। इनमें बायकुला, माहिम, जोगेश्वरी ईस्ट, मागाठाणे, कुर्ला, विक्रोली, डिंडोशी, चेंबूर, अंधेरी ईस्ट, भांडुप, शिवरी, अंबरनाथ, कल्याण वेस्ट, भिवंडी ग्रामीण, कल्याण ग्रामीण, और ओवळा-माजिवडा जैसी महत्वपूर्ण सीटें शामिल हैं। इन सीटों पर शिवसेना (शिंदे गुट) और शिवसेना (यूबीटी) के बीच मुकाबला केवल राजनीतिक सत्ता के लिए नहीं, बल्कि पार्टी की पहचान और विरासत को लेकर है। यह चुनाव दोनों धड़ों के लिए अस्तित्व की लड़ाई के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि इसका नतीजा यह तय कर सकता है कि असली शिवसेना के रूप में जनता किसे मान्यता देती है।

एनसीपी बनाम एनसीपी की लड़ाई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शिवसेना की तरह ही एनसीपी में भी असली बनाम नकली की लड़ाई ने मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। एनसीपी के दो धड़े—अजीत पवार गुट और शरद पवार गुट—के बीच राज्य की करीब 36 सीटों पर सीधी टक्कर हो रही है। अजीत पवार की एनसीपी ने इस चुनाव में 52 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जिनमें से 36 सीटों पर उन्हें शरद पवार की एनसीपी के उम्मीदवारों से कड़ी चुनौती मिल रही है। अजीत पवार ने अपने मौजूदा 35 विधायकों को दोबारा टिकट दिया है, ताकि उनके समर्थन को बनाए रखा जा सके, जबकि शरद पवार ने अपने साथ खड़े रहने वाले 15 विधायकों को चुनावी मैदान में उतारा है। यह चुनाव न केवल एनसीपी की राजनीतिक पकड़ को लेकर है, बल्कि यह असली एनसीपी की पहचान तय करने का भी संघर्ष है। इस टक्कर में जहां अजीत पवार का गुट बीजेपी के साथ महायुति का हिस्सा है, वहीं शरद पवार का गुट कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) के साथ महा विकास अघाड़ी का हिस्सा है। इन 36 सीटों पर जीत-हार से यह साफ हो जाएगा कि महाराष्ट्र की जनता एनसीपी की असली पहचान के रूप में किस गुट को स्वीकार करती है।

चाचा के साथ आसान नहीं मुकाबला

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एनसीपी बनाम एनसीपी (एस) की लड़ाई का सियासी केंद्र बारामती है, जो शरद पवार का गढ़ माना जाता है। यहां पर शरद पवार ने अजीत पवार के खिलाफ उनके भतीजे योगेंद्र पवार को चुनावी मैदान में उतारा है। बारामती के अलावा पश्चिम महाराष्ट्र के अधिकांश हिस्सों में भी अजीत पवार के उम्मीदवारों का सामना शरद पवार की एनसीपी के प्रत्याशियों से हो रहा है। इससे पहले लोकसभा चुनाव में भी पश्चिम महाराष्ट्र में इसी तरह का मुकाबला देखने को मिला था, जिसमें शरद पवार का गुट मजबूत साबित हुआ था। उस चुनाव में शरद पवार ने सात सीटें जीती थीं, जबकि अजीत पवार सिर्फ एक सीट पर जीत दर्ज कर पाए थे। ऐसे में विधानसभा चुनाव में भी अजीत पवार के लिए अपने चाचा के सिपहसलारों का सामना करना आसान नहीं होगा, खासकर तब जब शरद पवार की एनसीपी का प्रभाव इस क्षेत्र में लंबे समय से बरकरार है। इस लड़ाई में बारामती जैसी प्रतिष्ठित सीटों पर दोनों गुटों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। पश्चिम महाराष्ट्र में जीत हासिल करना अजीत पवार के लिए बेहद जरूरी है ताकि वे एनसीपी में अपनी पकड़ को मजबूत साबित कर सकें। दूसरी ओर, शरद पवार की कोशिश है कि अपनी पुरानी विरासत को बनाए रखते हुए अपने गुट को असली एनसीपी के रूप में स्थापित किया जाए।

महाराष्ट्र के अलग-अलग क्षेत्र में लड़ाई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव इस बार बेहद दिलचस्प और जटिल सियासी समीकरणों के बीच लड़ा जा रहा है, जहां विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग तरह के मुकाबले देखने को मिल रहे हैं।

1. ठाणे-कोंकण बेल्ट : इस क्षेत्र में शिवसेना बनाम शिवसेना (यूबीटी) की सीधी टक्कर है। यहां एकनाथ शिंदे की शिवसेना और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के बीच वर्चस्व की लड़ाई चल रही है। यह क्षेत्र शिंदे का गढ़ माना जाता है, लेकिन उद्धव ठाकरे के समर्थक भी यहां चुनौती दे रहे हैं।

2. मुंबई और मराठवाड़ा : इन इलाकों में बीजेपी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) आमने-सामने हैं। मुंबई में शिवसेना की पारंपरिक पकड़ के बावजूद बीजेपी की मजबूत उपस्थिति के कारण मुकाबला कांटे का हो गया है। मराठवाड़ा में भी बीजेपी के उम्मीदवार उद्धव गुट को चुनौती दे रहे हैं।

3. विदर्भ और उत्तरी महाराष्ट्र : इन क्षेत्रों में बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला है। विदर्भ में बीजेपी का पारंपरिक समर्थन और कांग्रेस की मजबूत उपस्थिति से यह क्षेत्र भी कड़ा मुकाबला देख रहा है।

4. पश्चिमी महाराष्ट्र : इस क्षेत्र में एनसीपी बनाम एनसीपी की लड़ाई हो रही है, जहां शरद पवार की एनसीपी और अजीत पवार की एनसीपी के उम्मीदवार आमने-सामने हैं। बीजेपी अजीत पवार के गुट के साथ गठबंधन में है, लेकिन शरद पवार की एनसीपी की पुरानी पकड़ इस क्षेत्र में बरकरार है।

ऐसे में जिन सीटों पर शिवसेना बनाम शिवसेना और एनसीपी बनाम एनसीपी का मुकाबला है, वे इस चुनाव में निर्णायक साबित हो सकती हैं। जिन गुटों का पलड़ा इन क्षेत्रों में भारी रहेगा, उन्हें महाराष्ट्र की राजनीति में ₹असली₹ पहचान और प्रभाव मिलेगा। इस तरह से इन सीटों के परिणाम महाराष्ट्र में सत्ता के नए समीकरण तय कर सकते हैं और इस चुनाव में असली बादशाह बनने का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

कांग्रेस की हालात है डांवाडोल, तीसरी बार खिल सकता है कमल

ग्राउंड रिपोर्ट
धीरज सिंह

अंधेरी पश्चिम विधानसभा सीट मुंबई की प्रमुख और चर्चित विधानसभा क्षेत्रों में शामिल है। यह सीट मुंबई नॉर्थ वेस्ट लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। पहले चुनाव में इस सीट पर कांग्रेस पार्टी ने जीत हासिल की थी, लेकिन 2014 के विधानसभा चुनावों में जब बीजेपी और शिवसेना अलग-अलग लड़े तो त्रिकोणीय लड़ाई में इस सीट पर बीजेपी ने कब्जा जमा लिया था। इसके बाद अगले चुनाव में जब बीजेपी और शिवसेना एक साथ लड़े तो भी इसी सीट पर बीजेपी का ही कब्जा रहा।

कांग्रेस की वर्तमान स्थिति

अंधेरी पश्चिम से महाराष्ट्र कांग्रेस के महासचिव सचिन सावंत को टिकट दिया गया था। सचिन सावंत बांद्रा पूर्व से टिकट मांग रहे थे। इससे नाराज़ होकर सचिन सावंत ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। कांग्रेस अब अंधेरी पश्चिम सीट से अशोक जाधव को उम्मीदवार बनाया है। वे कांग्रेस के पुराने नेता हैं। इस सीट पर 2009 के पहले विधानसभा चुनाव में इस सीट से कांग्रेस के अशोक जाधव जीते थे। तब उन्होंने शिवसेना उम्मीदवार विष्णु कोरगांवकर को 32 हजार वोटों से शिकस्त दी थी। पिछले दो बार चुनाव हार रहे हैं। इससे मुंबई कांग्रेस के उपाध्यक्ष और पांच बार नगरसेवक रहे मोहसिन खान नाराज हो गए हैं। उन्होंने टिकट बंटवारे में धांधली करने का आरोप लगाया है। मोहसिन खान ने कहा कि पिछली बार उन्होंने वर्सोवा सीट से टिकट मांग तो मुस्लिम होने के कारण टिकट नहीं दिया गया। इस बार अंधेरी पश्चिम से टिकट मांगा तो मुस्लिम होने की वजह से उन्हें टिकट नहीं दिया गया। मोहसिन खान पिछले 25 साल से अलग-अलग वार्डो में नगरसेवक का चुनाव जीत रहे हैं। विधानसभा का टिकट नहीं मिलने से नाराज हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं को सोचना चाहिए। यहां भाजपा को केवल हम ही हरा सकते हैं। जीतने वाले उम्मीदवार को टिकट न देकर दूसरे को दिया जा रहा है।

पिछला विधानसभा चुनाव परिणाम

उम्मीदवार	दल	वोट	वोट
अशोक जाधव	कांग्रेस	59,899	49 .30
विष्णु कोरगांवकर	एसएचएस	27,741	22 .83
रईस लश्करिया	मनसे	18,236	15 .01
हंसल डिसूजा	आईएनडी	10,564	8 .70

बीजेपी की वर्तमान स्थिति

बीजेपी ने अंधेरी पश्चिम से तीसरी बार अमित साटम को अपना उम्मीदवार बनाया है। 2014 के चुनावों में इस सीट पर बीजेपी कैंडिडेट अमीत भास्कर साटम जीते थे। उन्होंने 24 हजार वोटों से तत्कालीन विधायक अशोक जाधव को शिकस्त दी थी। 2019 में अमीत साटम ने फिर से कांग्रेस के पूर्व विधायक अशोक जाधव को शिकस्त दी थी। इस बार हार जीत का अंतर 18,962 वोटों का रहा था। इस सीट पर मुस्लिम वोट काफी ज्यादा है। कुल वोटों में इनकी भागीदारी 28 फीसदी के करीब है। अमित साटम अगस्त 2022 तक काफी ज्यादा सुर्खियों में आए थे। जब उन्होंने बीएमसी ने बीते 25 सालों में 3 लाख करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की थी। उन्होंने यह मामला में विधानसभा के मानसून सत्र में उठाया था।

जनता का मूड

अगर ऊपर लिखे आंकड़ों पर गौर फरमाएं तो, हम देख पाएंगे कि अंधेरी पश्चिम विधानसभा सीट पर लगातार पिछले दो चुनाव से बीजेपी जीत रही है। वहीं 2009 में कांग्रेस ने जीत हासिल की थी। हालांकि 2009 में बीजेपी यहां चुनावी मैदान में नहीं थी। वहीं अगर हम पिछले दो चुनावों में इन दोनों पार्टियों की वोट प्रतिशतता को देखें तो 2014 चुनाव में कांग्रेस की वोट प्रतिशत बीजेपी के मुकाबले बेहद कम रहा। वहीं 2019 चुनाव में भी कांग्रेस का वोट प्रतिशत बीजेपी से 13 प्रतिशत कम रहा। ऐसे में बीजेपी लगातार दो बार इस बार भी बीजेपी का पलड़ा भारी है। बाकी जनता का मूड है चाहे तो ये आंकड़े पलट भी सकती है। फिलहाल बता दें कि मुकाबले के दोनों ही पार्टियों ने अभी यहां से अपना उम्मीदवार नहीं घोषित किया है।